राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,१७ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३१८ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजेपी सांसद सनी देओल को मिली Y श्रेणी की सुरक्षा, 11 जवान-2 PSO रहेंगे साथ

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भारतीय जनता पार्टी के सांसद और अभिनेता सनी देओल की सुरक्षा बढ़ाई है. सनी देओल को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है, यानी अब उनके साथ केंद्रीय सुरक्षा बलों की टीम मौजूद रहेगी. गृह मंत्रालय के सूत्रों की मानें, तो आईबी की रिपोर्ट और सनी देओल को लेकर थ्रेट परसेप्शन के आधार पर ये सुरक्षा दी गई है. सनी देओल को जो Y श्रेणी की सुरक्षा मिली है, उसमें उनके साथ 11 जवान रहेंगे, इसके अलावा दो PSO भी मौजूद रहेंगे। आपको बता दें कि सनी देओल पंजाब के गुरदासपुर से भारतीय जनता पार्टी के सांसद हैं. गुरदासपुर भारत और पाकिस्तान सीमा के निकट है, ऐसे में खतरा लगातार बना रहता है. सनी देओल की सुरक्षा ऐसे वक्त में बढ़ाई गई है, जब पंजाब में कृषि कानूनों का भारी विरोध हो रहा है. किसान संगठनों ने भी बीजेपी के नेताओं, मंत्रियों के घेराव की बात कही है. बीजेपी पंजाब, हरियाणा और उत्तर भारत के अन्य राज्यों में विरोध का सामना कर रही है. सनी देओल पंजाब से ही आते हैं, ऐसे में लंबे वक्त तक कृषि कानून के मसले पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठे थे. हालांकि, बाद में उन्होंने बयान जारी कर कहा था कि उनकी सरकार हमेशा किसानों के हक में फैसला लेती है, सरकार किसानों की बात सुनने को तैयार है और वो किसानों के साथ हैं. सनी देओल के पिता और बॉलीवुड सुपरस्टार धर्मेंद्र ने भी ट्वीट कर किसानों के मसले पर चिंता व्यक्त की थी, धर्मेंद्र ने ट्वीट किया था कि ठंड के इस मौसम में किसान दिल्ली की सड़कों पर बैठे हैं, ऐसे में सरकार जल्द ही कुछ करे. पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी को कई तरह की मुश्किलों का सामना कर पड़ रहा है. पहले अकाली दल ने साथ छोड़ दिया, फिर कृषि कानून के मसले पर किसानों का विरोध बढ़ता जा रहा है. सरकार और किसानों के बीच कई राउंड की बात हो गई है, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला.

विजय दिवस 2020

वॉर मेमोरियल पहुंचकर पीएम मोदी ने प्रज्जवलित की 'स्वर्णिम विजय मशाल', शहीदों को किया नमन

नई दिल्ली। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत के विजय की 50वीं वर्षगांठ के आयोजन की शुरुआत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज नेशनल वार मेमोरियल पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की 50 वीं वर्षगांठ पर नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचकर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की 50 वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर 'स्वर्णिम विजय मशाल' को प्रज्जवलित किया। इस मौके पर चार विजय मशाल प्रज्जवलित किए गए। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीडीएस बिपिन रावत के साथ अलावा तीनों सेनाओं के प्रमुख उनके साथ मौजूद रहे।

नेशनल वॉर मेमोरियल की अनन्त ज्योति से प्रज्ज्वलित चार 'विजय मशाल' (ज्वाला) 1971 युद्ध के परमवीर चक्र और महावीर चक्र पुरस्कार विजेताओं के गांवों सहित देश के विभिन्न हिस्सों में ले जाई जाएगी।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की 50 वीं वर्षगांठ पर नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचकर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की 50 वीं वर्षगांठ पर 'स्वर्णिम विजय वर्षा' के लिए लोगो का अनावरण किया।

कहां ले जाई जाएगी मशाल ?

ये मशाल 1971 के युद्ध के लिए वीर चक्र तथा महावीर चक्र विजेताओं के गांवों में भी जाएंगी। इन पदक विजेता वीरों के गांवों तथा जहां अहम लड़ाई लड़ी गई, उन जगहों की मिट्टी नेशनल वार मेमोरियल लाई जाएगी। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर विजय हासिल किए जाने की याद में भारत 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाता है। इसी विजय से बांग्लादेश का निर्माण हुआ था।

कहां-कहां से होकर गुजरेगी विजय यात्रा ?

इस मौके पर चार विजय मशाल को विजय यात्रा से माध्यम से देशभर में ले जाया जाएगा। विजय यात्रा दिल्ली से चलकर मथुरा होते हुए भरतपुर, अलवर, हिसार, जयपुर, कोटा, आदि सैन्य छावनी क्षेत्रों और उनके दायरे में आने वाले शहरों का भ्रमण करती हुई वापस दिल्ली पहुंचेगी। यात्रा की अवधि एक साल की होगी। यात्रा बांग्लादेश की राजधानी ढाका भी जाएगी।

जानें क्यों कहा जाता है 'विजय दिवस'?

16 दिसंबर, 1971 को देश की पश्चिमी सीमा पर बसंतर नदी के किनारे खुले मोर्चे पर भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को हरा दिया था। इसलिए भारतीय सेना 16 दिसम्बर को

'विजय दिवस' मनाती है। पाकिस्तान ने इस युद्ध में 93 हजार सैनिकों के साथ सरेंडर किया था।

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की डाक पे सेवा शुरू, आसान होंगी कई सेवाएं

नई दिल्ली। डाक विभाग और इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने नया डिजिटल पेमेंट एप्लीकेशन डाक पे शुरू कर दिया है। इस एप्लीकेशन को यूनिफाइट पेमेंट इंटरफेज यानि यूपीआई के जरिए भी जोड़ा गया है जिससे तमाम दूसरे पेमेंट एप्लीकेशन की तर्ज पर ये भी पेमेंट ले पाएगा। सरकार का मानना है कि इसके जरिए भारत के सुदूर इलाकों तक डिजिटल वित्तीय समावेश किया जा सकेगा। डाक पे के लॉन्च के मौके पर केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कोरोना महामारी जैसे कठिन दौर में भारतीय डाक का काम सराहनीय रहा है। डाक पे के जरिए भारतीय डाक के काम को हर घर तक पहुंचाने में और मदद मिलेगी। उन्होंने ये भी कहा कि इस अनोखी सेवा से न सिर्फ लोग बैंकिंग सेवाएं ले पाएंगे बल्कि डाकविभाग से जुड़े उत्पादों की ऑनलाइन सेवा भी ले सकेंगे। साथ ही ग्राहक कई वित्तीय सेवाएं अपने घर पर भी ले सकते हैं। इस एप्लीकेशन के जरिए इस्तेमाल करने वाला कि किसी भी बैंक खाते से अपने आईपीपीबी खाते में रकम भेज पाएगा। साथ ही किसी दूसरे खाताधारक से रकम उसी तरह से ली जा सकती है जैसे गूगल पे की तरह के एप्लीकेशन में भेजी जाती है। यही नहीं ग्राहक खुदरा दुकानों पर की गई अपनी खरीदारी

के लिए आसानी से इस पेमेंट एप के जरिए भुगतान भी कर पाएंगे। डाक पे के जरिए डोमेस्टिक मनी ट्रांसफर, क्यूआर कोड को स्कैन करके और यूपीआई के माध्यम से डिजिटल लेनदेन भी संभव है। इसके अलावा पेमेंट एप के जरिए यूजर घर बैठे बैंकिंग सेवाओं का लाभ ले पाएंगे। साथ ही इस एप्लीकेशन को इस्तेमाल करने वालों को डाक उत्पादों की सेवाएं भी ऑनलाइन मिलेगी।

कोरोना पॉजिटिविटी रेट में गिरावट जारी, 5 महीने बाद आई यह बड़ी राहत

नई दिल्ली। देश में करीब पांच महीने बाद मंगलवार को कोविड-19 के 23 हजार से कम नए मामले सामने आए। कोरोना के औसत रोजाना मामलों में लगातार पिछले पांच हफ्तों से गिरावट देखी जा रही है, जो कि राहत भरी खबर है। वहीं, मरीजों के ठीक होने की दर भी 95 प्रतिशत से अधिक हो गई है। यह दर विश्व में सबसे अधिक संक्रमण वाले देशों में सर्वाधिक है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, कोरोना के रोजाना मामलों की वृद्धि दर में लगातार कमी आ रही है। 9 से 15 नवंबर के बीच पॉजिटिविटी रेट 4.32 फीसदी थी जबकि 16 से 22 नवंबर के बीच यह दर 4.08 फीसदी पर आ गई। वहीं, 23 से 29 नवंबर के बीच यह 3.82 फीसदी, 30 नवंबर से छह दिसंबर के बीच 3.36 फीसदी दर्ज की गई। राहत की बात है कि बीते सप्ताह में यह दर 3.16 फीसदी पर आ गई है।

स्वस्थ होने वालों की दर 95.12 प्रतिशत-मंत्रालय के मुताबिक, कोविड-19 के 22,065 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर

99.06 लाख हो गए हैं। वहीं 354 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,43,709 हो गई। आंकड़ों के अनुसार कुल 94,22,636 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के साथ ही देश में मरीजों के ठीक होने की दर बढ़कर 95.12 प्रतिशत हो गई। वहीं कोविड-19 से मृत्यु दर 1.45 प्रतिशत है।

3.39 लाख का उपचार चल रहा-देश में लगातार नौ दिन से उपचाराधीन लोगों की संख्या चार लाख से कम है। कुल 3,39,820 लोगों का कोरोना वायरस का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 3.43 प्रतिशत है।

अब तक 15 करोड़ से अधिक जांच-भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार देश में 14 दिसंबर तक 15,55,60,655 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई, जिनमें से 9,93,665 नमूनों की जांच सोमवार को की गई। आंकडों के अनुसार पिछले 24 घंटे में जिन 354 लोगों की मौत हुई, उनमें से दिल्ली और महाराष्ट्र के 60-60, पश्चिम बंगाल के 43, केरल के 24 और पंजाब के 21 लोग थे। देश में वायरस से अभी तक 1,43,709 लोगों की मौत हुई है। मंत्रालय के अनुसार, उसके आंकड़ों का आईसीएमआर के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

दिसंबर महीने में दूसरी बार महंगी हुई रसोई गैस

नई दिल्ली। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने दिसंबर महीने में दूसरी बार रसोई गैस यानी एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार 15 दिसंबर से गैर-सब्सिडी वाले रसोई गैस की कीमत दिल्ली में 644 रुपये प्रति सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) से बढ़कर 694 रुपये हो गई है। तेल कंपनियों ने सिलेंडर की कीमत 50 रुपये बढ़ा दी है। बता दें इससे पहले 3 दिसंबर को सिलेंडर की कीमतों में 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। दिसंबर महीने में दो बार सिलेंडर की कीमतों में कुल

100 रुपये तक का इजाफा किया गया है। कोलकाता में 670.50 रुपये से बढ़कर कीमत 720.50 रुपये, मुंबई में 644 रुपये से बढ़कर 694 रुपये और चेन्नई में 660 रुपये से बढ़कर 710 रुपये हो गई है। सितंबर लगातार तीसरे महीने रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, लेकिन अक्टूबर और नवंबर महीने में कमर्शियल सिलेंडर महंगा हुआ था। दिसंबर महीने में आईओसी ने बिना सब्सिडी वाले गैस 14.2 किलोग्राम सिलेंडर की कीमत 594 रुपये से बढ़ाकर 644 रुपये कर दिया है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर के दाम में भी 56 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है।

बिगड़ा मौसम का मिजाज-उत्तर भारत कड़ाके की ठंड से कांपा, जानें कहां कैसा रहा सर्दी का सितम

नई दिल्ली। उत्तर भारत में अब सर्दी का सितम दिखने लगा है। उत्तर भारत के कई हिस्सों में मंगलवार को ठंड बढ़ गई और कई राज्यों पर कोहरे की घनी चादर छाई रही। जबकि कश्मीर में रात्रि तापमान गिरकर शून्य से नीचे पहुंच गया। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कोहरे का असर बना रहा।

उत्तर प्रदेश में दूरदराज के

इलाकों में हल्की बारिश भी हुई, जबकि हरियाणा एवं पंजाब में पारा सामान्य से नीचे बना रहा। हिमाचल प्रदेश में बीते 24 घंटों के दौरान शुष्क मौसम होने के बावजूद भी केलांग और कल्पा में पारा शून्य से नीचे दर्ज किया गया।

आईएमडी के अनुसार, पारा अभी और गिरने के आसार हैं। केंद्रशासित प्रदेश में जम्मू एवं कश्मीर की कश्मीर घाटी में रात्रि तापमान गिरकर जमाव बिंदु से नीचे पहुंच गया। गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 10.2 डिग्री सेल्सियस नीचे रिकॉर्ड किया गया। गुलमर्ग सबसे सर्द रहा। कल्पा में पारा शून्य से 1.7 डिग्री नीचे रहा।

घाटी में सभी मौसम केंद्रों में रात्रि तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया। वहीं राजस्थान में चुरु सबसे सर्द रहा, जहां न्यूनतम पारा 5.2 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि पिलानी में रात्रि तापमान 5.3 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, हिमाचल की बात करें तो मनाली, डलहौजी, कुफरी में न्यूनतम तापमान क्रमशः 0.2 डिग्री, 1.4 डिग्री और 2.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

लखनऊ में 10.9 डिग्री पारा-उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में न्यूनतम पारा 10.9 डिग्री, इलाहाबाद में 15.2 डिग्री रहा। राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान फर्रुखाबाद जिले (5.8 डिग्री) में दर्ज किया गया।

आंध्र प्रदेश सरकार ने करीब 10 लाख किसानों को दी 12 करोड़ रुपये की मदद, कहा- हम किसान समर्थक राज्य

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने राज्य के तकरीबन 10 लाख किसानों को 12 करोड़ रुपये से ज्यादा की मदद की है। राज्य सरकार ने मंगलवार को 2019 सत्र से संबंधित बीमा के तहत 9.48 लाख किसानों को 1,252 करोड़ रुपये की राशि दी है। डॉ. वाइएसआर मुफ्त फसल बीमा योजना के तहत इन किसीनों को यह राशि दी गई है। इस योजना में पंजीकृत इन 9.48 लाख लाभार्थियों की सूची को रायतू भरोसा केंद्रों में लगाया जाएगा। राज्य सरकार ने 2018-19 रबी के लिए 122.61 करोड़ रुपये के फसल बीमा प्रीमियम को मंजूरी दी थी, जिसे पिछली तेलुगु देशम पार्टी की सरकार ने लंबित रखा था। उस सीजन की फसल बीमा का भुगतान इस साल जून में किया गया था।

इसके अलावा 5.94 लाख किसानों को

कुल 596.26 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया गया। वहीं, खरीफ 2019 के लिए, राज्य सरकार ने किसान का 468 करोड़ रुपये का हिस्सा और अपन 503 करोड़ रुपये का हिस्सा बीमा कंपनियों को दिया था।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री वाइएस जगनमोहन रेड्डी ने कहा, हम हमेशा एक किसान समर्थक राज्य रहे हैं। हमने जो योजनाएं लागू की हैं, उनसे हमने पिछले 18 महीनों से किसानों को लाभान्वित किया है और इस बात का सबसे अच्छा उदाहरण दिया है कि सरकार अपने किसानों की देखभाल कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, हमने जनवरी और फरवरी में फसल कटाई पूरी होने के तुरंत बाद मार्च और अप्रैल के महीने में 2020 खरीफ फसल बीमा के तहत किसानों को भुगतान करने का भी फैसला किया है।

सुभाष चंद्र बोस की किताबों को फिर छापने पर विचार कर रही सरकार

केंद्र सरकार सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के मौके पर उनकी लिखी गईं कुछ पुस्तकों के री-प्रिंट और छात्रों के लिये फैलोशिप शुरू करने पर विचार कर रही है। आईएनए के पूर्व सदस्यों को गणतंत्र दिवस परेड का नेतृत्व करने के लिये आमंत्रित करने पर भी विचार

नई दिल्ली। सरकार नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती वर्ष में उनकी किताबों को फिर से छापने तथा छात्रों के लिए फेलोशिप शुरू करने पर विचार कर रही है। जयंती वर्ष के आयोजन की शुरुआत 23 जनवरी से होगी।

इसके साथ ही आइएनए के योद्धाओं को गणतंत्र दिवस परेड की अगुआई करने के लिए भी आमंत्रित करने पर विचार किया जा रहा है। संस्कृति मंत्रालय के मुताबिक ये प्रस्ताव संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री प्रह्लाद पटेल की अध्यक्षता में आयोजन की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में आए।

बैठक में बोस परिवार के सदस्य, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आइएनए ट्रस्ट, शिक्षाविदों, इतिहासकारों तथा नेताजी से जुड़े विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। पटेल ने बैठक में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बोस परिवार तथा आइएनए के सदस्यों के पास बड़ी मात्रा में ऐतिहासिक दस्तावेज, क्लिपिंग, फोटो, वीडियो तथा स्मरणीय अन्य सामग्रियां हैं, जिन्हें प्रदर्शन के लिए एक जगह लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोलकाता में बोस पर एक म्यूजियम बनाने का भी प्रस्ताव है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बबलू भैया का भौकाल बॉलीवुड में कायम! विक्रांस मैसी के हाथ लगा इस शानदार फिल्म का रीमेक

बॉलीवुड स्टार विक्रांत मैसी के करियर का ये पिक समय चल रहा है। अपने शानदार अभिनय के दम पर विक्रांत ने सिनेमा में एक खास जगह बना ली है। फिल्म क्रिमिनल जस्टिस, मिर्जापुर जैसी वेब सीरीज से सोशल मीडिया पर छाने के बाद अब विक्रांस मैसी लगाकार बॉलीवुड फिल्में कर रहे हैं। हाल ही में उन्हें नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्म गिन्नी वेड्स सनी में देखा गया था। अब विक्रांत के हाथ एक और शानदार प्रोजेक्ट लगा है।

विक्रांत मैसी होंगे 'फॉरेंसिक' के हिंदी रीमेक का हिस्सा

2020 की मलयालम फिल्म, 'फॉरेंसिक' के हिंदी रीमेक को बनाने की तैयारी काफी दिनों से चल रही हैं। अब फिल्म के लीड किरदार को फाइनल कर लिया गया है। जी हां फिल्म फोरेंसिक में विक्रांत मैसी एक फोरेंसिक ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे, इस रोल के लिए विक्रांत ने तैयार भी शुरू कर दी है। फिल्म में टोविनो थॉमस का किरदार विक्रांत निभाएंगे। यह मलयालम फिल्म में अहम किरदार था। पूरी फिल्म टोविनो थॉमस अधिराकी के इर्द-गिर्द थी।

फिल्म में लीड किरदार से खुश मैसी

मलयालम भाषा में साल की शुरूआत में रिलीज हुई फिल्म 'फॉरेंसिक' को काफी अच्छे रिस्पॉन्स मिले थे। आलोचकों और दर्शकों से समान रूप से समीक्षा मिली थी। फिल्म को लेकर विक्रांत मैससी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बातचीत में बताया कि वह फिल्म का हिस्सा बनने के लिए काफी ज्यादा एक्साइटिड हैं। मैसी ने कहा, 'जब मैंने फॉरेंसिक को पहली बात देखा, तभी इस फिल्म ने मुझे हिट किया और मुझे लगा कि यह एक दिमाक से खेलने वाली फिल्म हैं जो आपको टेंटरहूक पर रखती है। साथ ही यह एक आउट-एंड-आउट एंटरटेनर है। 'मैं वास्तव में मिनी फिल्म्स के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हूं और मुझे हिंदी रीमेक का नेतृत्व करने में खुशी हो रही है'।

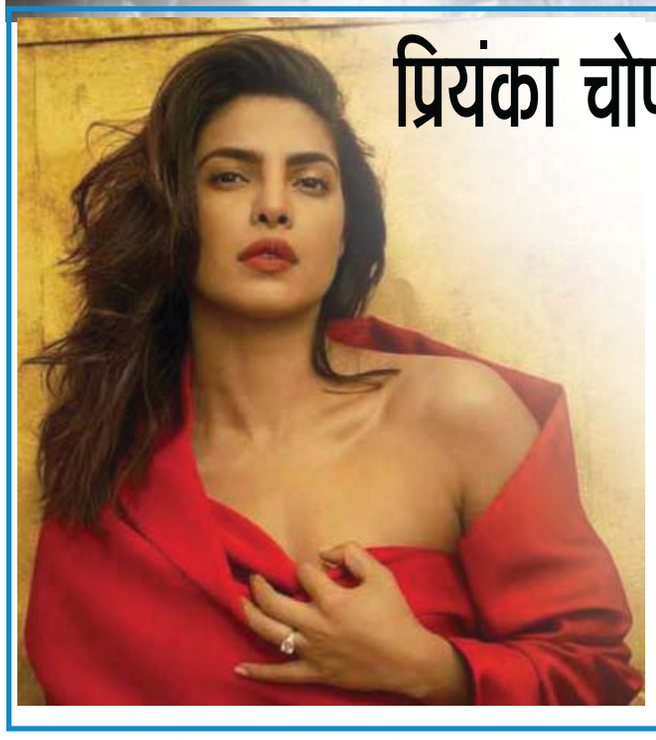

प्रियंका चोपड़ा के डेनिम लुक पर फिदा हुए रितिक रोशन

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इंडस्ट्री की सबसे बिजी एक्ट्रेसेस में से एक हैं। अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में बिजी रखने के बावजूद प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अपने डेनिम लुक में अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की।

इन तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा सफेद रंग के टॉप के साथ डेनिम जीन्स में दिखाई दे रही हैं। प्रियंका कैमरे के सामने स्टाइलिश पोज देते हुए नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस के इस लुक ने मानों सोशल मीडिया फैंस पर जादू सा कर दिया है।

तस्वीर को शेयर करते हुए प्रियंका ने खुद को 'ब्लू जीन बेबी' बताया। इस तस्वीर पर सिर्फ उनके फैंस ही नहीं बल्कि अभिनेता राजकुमार राव ने कमेंट करते लिखा, 'पीसी।' साथ उन्होंने एक प्यार भरी इमोजी भी शेयर की है। उनके अलावा रितिक रोशन ने भी प्रियंका की तस्वीर की खूब तारीफ की और कमेंट करते हुए लिखा, 'क्या बात है।'

वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा ने अपनी अगली हॉलीवुड फिल्म 'टेक्स्ट फॉर यू' की शूटिंग शुरू कर दी है। यह जर्मन भाषा में बनी फिल्म 'एसएमएस फर डीच' की इंग्लिश रीमेक है। इसके अलावा वह राजकुमार राव के साथ 'द व्हाइट टाइगर' में नजर आने वाली हैं।

सच और प्यार के संग कभी डगमगाएं नहीं सुशांत सिंह राजपूत, नकली दुनिया ने क्या उन्हें निगल लिया?

बॉलीवुड कि दुनिया का एक चमकता सितारा सुशांत सिंह राजपूत, अचानक ही इस दुनिया को 34 साल की उम्र में ही अलविदा कह गया। सुशांत सिंह राजपूत को 14 जून 2020 को उनके बांद्रा वाले घर पर फांसी के फंदे से लटका पाया गया। शुरूआती जांच में पुलिस ने सुशांत की मौत को सुसाइड कहा और सुसाइड के कारणों की 45 दिन तक तलाश करती रही। कंगना ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत का कारण बॉलीवुड में फैले नेपोटिस्म को बताया और सुशांत की मौत के लिए बॉलीवुड में फैले मूवी माफिया को बताया।

सुशांत कम उम्र में ही सुपरस्टार बन गये

सुशांत सिंह राजपूत के अंदर एक्टिंग की इतनी प्रभावशाली स्किल थी कि वह बहुत कम उम्र में ही बुलंदियों पर पहुंच गये। सुशांत सिंह राजपूत ने टीवी के शो पवित्र रिश्ता से लोगों के दिलों में खास जगह बनायी और छोटे पर्दे के लोकप्रिय एक्टर बन गये। टीवी पर उन्होंने नच बलिये सहित कई रियलटी शो में भाग भी लिया जहां उनके अंदर के शानदार डांस हुनर को भी देखा गया।

टीवी से बॉलीवुड का सफर

सुशांत सिंह राजपूत ने पवित्र रिश्ता से लोकप्रियता हालिस करने के बाद बॉलीवुड का सफर तय किया। सुशांत सिंह राजपूत ने यश राज फिल्म्स के बैनर तले अपने करियर की शुरूआत की। उनकी पहली फिल्म शुद्ध देशी रोमांस थी। फिल्म में उनके साथ परिणीति चोपड़ा और वाणी कपूर थी। फिल्म को लोगों ने काफी पसंद किया लेकिन ये फिल्म सुशांत के करियर को कुछ ज्यादा बूस्ट नहीं कर सकी।

धोनी की बायोपिक ने बदल दी पहचान

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बायोपिक बनने की बात चल रही थी। फिल्म में धोनी का किरदार कौन करेगा इसे लेकर काफी सस्पेंस था। फिल्म निर्माताओं ने धोनी से ही पूछा की वह किसे अपने अवतार में स्क्रिन पर देखना चाहते हैं। तब धोनी ने ही सुशांत सिंह राजपूत का नाम सामने रखा था। सुशांत का नाम आते ही फिल्म के लिए सुशांत को साइन किया गया और सुशांत ने भी अपनी मेहनत और अभिनय के दम पर दिखा दिया कि वह एक्टिंग के मामले में किसी से भी कम नहीं है उनके अंदर एक अलग तरह की प्रतिभा थी। उन्होंने धोनी के किरदार को पर्दे पर जिंदा कर दिया। ये फिल्म सुशांत के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म साबित हुई।

इस फिल्म के बाद सुशांत ने पीछे मुड कर नहीं देखा उन्होंने कई फिल्में की जिसमें से कई हिट हुई और कई फिल्में ऐसी भी थी जिसमें सुशांत की तारीफ हुई लेकिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया।

छिछोरे से दिया जिंदगी जीने का संदेश

सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म छिछोरे साल 2019 में रिलीज हुई। फिल्म को दर्शकों और आलोचकों द्वारा बहुत पसंद किया गया। फिल्म का संदेश जिंदगी को जीने पर बुना गया था। ये फिल्म सुसाइड के उपर थी। परेशानी के लड़ना जिंदगी है न कि सुसाइड करने से परेशानी खत्म होती है। फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत के बेटा एक्जाम में फेल होने के बाद वह बिल्डिंग से नीचे कूद जाता है। अपने बेटे की इस हरकत के बाद पिता सुशांत अपने बेटे को जिंदगी में लूजर का सही मतलब समझाने के लिए अपने कॉलेज के दिनों की बाते बताते हैं। फिल्म बहुत की शानदार थी। इस फिल्म से सुशांत ने एक बाद फिर से शानदार वापसी की थी।

सुशांत के लिए अंकिता लोखंडे थी लकी गर्ल

सुशांत सिंह राजपूत की मुलाकाल अंकिता लोखंडे से पवित्र रिश्ता के सेट पर हुई थी। अंकिता लोखंडे और सुशांत 7 साल तक एक रिश्ते में थे। इस दौरान सुशांत ने अपने करियर में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह लगातार आगे बढ़ते जा रहे थे। अंकिता ने भी एक अच्छे साथी की तरह सुशांत की हमेशा साथ दिया। स्टारडम के साथ-साथ सुशांत का काम कई और एक्ट्रेस के साथ जोड़ा जाने लगा जिसके कारण धीरे-धीरे सुशांत और अंकिता का रिश्ता टूट गया।

एयरपोर्ट पर गिरा जूही चावला का डायमंड का झुमका, ढूंढने वाले को एक्ट्रेस देंगी इनाम

बॉलीवुड एक्ट्रेस जूही चावला ने बीते रविवार अपनी एक प्यारी चीज खो दी, इसके लिए एक्ट्रेस परेशान हैं। जूही चावला का डायमंड का झुमका मुंबई एयरपोर्ट पर खो गया और इसे खोजने में जूही ने लोगों से मदद मांगी है। एयरपोर्ट पर चेकिंग के दौरान जूही चावला का झुमका गिर गया।

यह कोई आम झुमका नहीं थी बल्कि 15 सालों से जुही चावला के पास था। जूही ने ट्वीट कर सभी को इस घटना के बारे में बताया है। उन्होंने यहां तक कहा है कि जो भी उन्हें उनका ये झुमका ढूंढ कर देगा, वे उसे इनाम देने को तैयार हैं।

जूही चावला ने अपनी इयररिंग का एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, 'आज सुबह जब मैं मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गेट नंबर 8 की तरफ जा रही थी। ड्राइव वे में, प्रणाम बग्गी में, एमिरेट्स काउंटर पर चेकिंग को दौरान, इमिग्रेशन चेकिंग के दौरान मेरी हीरे की इयररिंग गिर गई और खो गई। अगर कोई इसे खोजने में मेरी मदद कर सके तो काफी अच्छा होगा।

उन्होंने लिखा, प्लीज़ पुलिस में रिपोर्ट करें। आपको सम्मानित करना मेरा सौभाग्य होगा। यह एक मैचिंग पीस था जिसे मैं पिछले 15 सालों से रोज़ पहन रही थी। प्लीज़ इसे खोजने में मेरी मदद ।करें। धन्यवाद।'

जुही चावला के ट्वीट पर लोगों ने अलग-अलग रिएक्शन दिए। बता दें कि हाल ही में जूही चावला ने खराब सर्विस का आरोप लगाते हुए मुंबई एयरपोर्ट के अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने यात्रियों को लंबे समय तक इंतजार कराने को लेकर गुस्सा जाहिर किया था।

अक्षय कुमार की 'बच्चन पांडे' में हुई दमदार एक्टर की एंट्री

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार अपनी नई फिल्म 'बच्चन पांडे' को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते दिनों ही इस फिल्म में एक्टर अरशद वारसी के शामिल होने का भी ऐलान हुआ था। जिसके बाद फैंस काफी एक्साइटेड हैं। अब इस फिल्म में एक और दमदार कलाकार की एंट्री हो चुकी है।

खबरों के अनुसार इस फिल्म में मिर्जापुर के कालीन भैया यानि पंकज त्रिपाठी की एंट्री हुई है। वो इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ दमदार किरदार में दिखने वाले हैं। पंकज त्रिपाठी और अरशद वारसी के अलावा हाल ही में फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस की भी एंट्री हुई है।

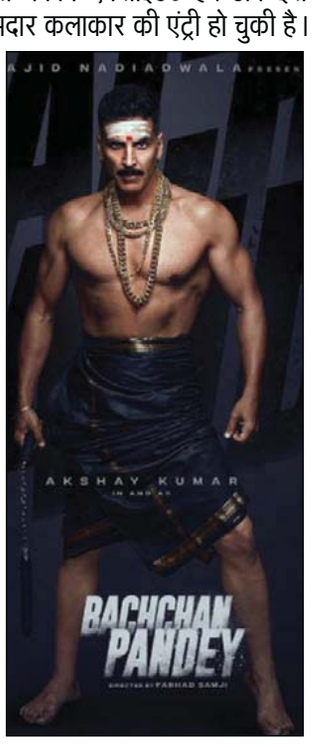

अक्षय कुमार के अपोजिट इस फिल्म में लीड रोल में अदाकारा कृति सेनन दिखने वाली हैं। ऐसे में ये फिल्म दमदार स्टारकास्ट के साथ सिनेमाघर पहुंचे की तैयारी में हैं।

एक्शन-कॉमेडी फिल्म बच्चन पांडे का निर्देशन फरहाद सामजी कर रहे हैं, जबकि साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं। बच्चन पांडे अगले साल रिलीज़ होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

RBI ने खाता खुलवाने के नियमों में किया बदलाव, जानिए क्या हैं नए नियम

बिजनेस डेस्क: भारतीय रिजर्व बैंक (**RBI**) ने चालू खाते के कई नियमों में राहत देने का ऐलान किया है। यह नए नियम 15 दिसंबर से ही लागू हो चुके हैं। नए नियमों के अनुसार, 6 अगस्त को रिजर्व बैंक की ओर से कमर्शियल बैंक्स और पेमेंट बैंक्स के लिए एक सर्कुलर जारी किया था, जिसमें चालू खाते को लेकर कुछ जरूरी निर्देश दिए गए थे लेकिन अब इन नियमों से कई अकाउंट्स को राहत दी गई है।

आप भी जानें क्या था 6 अगस्त का सर्कुलर

6 अगस्त को जारी किए गए रिजर्व बैंक के सर्कुलर के अनुसार, रिजर्व बैंक ने बैंकों के उन ग्राहकों का करंट अकाउंट खोलने पर रोक लगाने का काम किया था, जिन्होंने बैंकिंग सिस्टम से कैश क्रेडिट या ओवरड्राफ्ट के रूप में क्रेडिट फैसिलिटी लिया हो। नए सर्कुलर पर नजर डालें तो ग्राहकों को उसी बैंक में अपना **Current Account** या ओवरड्राफ्ट अकाउंट खुलवाना जरूरी होगा, जिससे वो लोन लेने का काम कर रहे हैं।

ऐसे ग्राहकों पर होगा लागू

ये नियम उन ग्राहकों पर लागू होंगे जिन्होंने बैंकों से 50 करोड़ रुपए से ज्यादा का लोन लेने का काम किया है। रिजर्व बैंक ने कहा है कि अमूमन ऐसा देखा गया है कि ग्राहक लोन किसी एक बैंक से लेते हैं और करंट अकाउंट किसी दूसरे बैंक में जाकर खुलवा लेते हैं। ऐसा करने से कंपनी का कैशफ्लो ट्रैक करने में दिक्कत होती है। ऐसे में कोई भी बैंक ऐसे ग्राहकों का चालू खाता न खोलें जिन्होंने कैश क्रेडिट या फिर ओवरड्राफ्ट की सुविधा किसी और बैंक से ले रखी है।

बैंक भी इन बातों का रखें ध्यान

बता दें **RBI** ने करंट अकाउंट खोलने की शर्तों में छूट देने के साथ-साथ ग्राहकों को अलर्ट भी किया है। रिजर्व बैंक ने कहा है कि ये छूट सिर्फ शर्तों के साथ दी जा रही है तो बैंक को भी इसका ध्यान रखना होगा। इसके अलावा बैंक इस बात को लेकर आश्वस्त करेंगे कि इसका इस्तेमाल कुछ तय ट्रांजेक्शन के लिए ही किया जाएगा। इसके अलावा बैंक की ओर से इसकी मॉनिटरिंग भी की जाएगी। **RBI** ने बैंकों को निर्देश दिया है कि कैश क्रेडिट/ओवरड्राफ्ट को रेगुलर मॉनिटर करें।

टाटा-मिस्त्री विवाद- न्यायालय ने 'हस्तक्षेप' के मुद्दे पर कारपोरेट और राजनीति का उदाहरण दिया

नई दिल्ली: उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को शापूरजी पालोनजी (एसपी) समूह के टाटा संस के कामकाज में न्यासियों के हस्तक्षेप के आरोपों पर राजनीति और कंपनियों के कार्य संचालन का उदाहरण दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि क्या मुख्यमंत्री द्वारा कैबिनेट बैठक से पहले अपनी पार्टी सहयोगियों से विचार-विमर्श करने से 'स्वतंत्रता का हनन' होता है। एसपी समूह ने आरोप लगाया कि टाटा संस के परिचालन में अंशधारक ट्रस्टी निदेशकों द्वारा हस्तक्षेप किया जाता था जबकि यह काम निदेशक मंडल पर छोड़ा जाना चाहिए थ। मुख्य न्यायाधीश एस ए बोबडे और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना तथा न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमण्यन की पीठ ने इस पर कहा, ''एक मुख्यमंत्री का मामला लेते हैं, जो कैबिनेट की बैठक से पहले अपनी पार्टी सहयोगियों से विचार-विमर्श करता है कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं। क्या आप कहेंगे कि उसने अपनी आजादी खो दी।'' शीर्ष अदालत राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के आदेश के खिलाफ टाटा संस और साइरस इन्वेस्टमेंट्स की ओर से दायर अपीलों की पांचवें दिन सुनवाई कर रही थी। एनसीएलएटी ने साइरस मिस्त्री को 100 अरब डॉलर के टाटा समूह के कार्यकारी चेयरमैन पद पर बहाल करने का आदेश दिया था। इस पर एसपी समूह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी ए सुंदरम ने कहा कि पार्टी सहयोगियों से विचार-विमर्श 'राजनीति की मांग है और राजनीतिक विज्ञान, कॉरपोरेट से अलग चीज है। सुंदरम ने कहा, ''राजनीति में सब कुछ बहुमत से होता है। जबकि कंपनी कानून के तहत ऐसा नहीं है। पीठ ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि यह कैबिनेट पर निर्भर करता है। राजनीति में ऐसे मामले भी होते हैं जबकि अल्पमत वालों से भी विचार-विमर्श करना पड़ता है।

बेहतर सुधार के चलते 7.4% तक सीमित रहेगा GDP में संकुचन: SBI रिपोर्ट

मुंबई:

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि बेहतर सुधार के चलते वित्त वर्ष 2020-21 में जीडीपी वृद्धि दर के ऋणात्मक 7.4 रहने का अनुमान है, जबकि पूर्व अनुमान के मुताबिक यह आंकड़ा ऋणात्मक 10.9 प्रतिशत था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि जीडीपी के महामारी से पूर्व के स्तर पर दोबारा पहुंचने में वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही से सात तिमाहियों का वक्त लगेगा। एसबीआई की शोध रिपोर्ट- इकोरैप में कहा गया, ''दूसरी तिमाही के बाद आरबीआई और बाजारों के संशोधित पूर्वानुमानों के बाद अब हम उम्मीद करते हैं कि पूरे वर्ष (वित्त वर्ष 2020-21) के लिए जीडीपी में गिरावट 7.4 प्रतिशत रहेगी (हमारे पहले के पूर्वानुमान ऋणात्मक 10.9 प्रतिशत की तुलना में)।''

'नाउकास्टिंग मॉडल' पर आधारित है GDP

रिपोर्ट में कहा गया कि संशोधित जीडीपी अनुमान एसबीआई के 'नाउकास्टिंग मॉडल' पर आधारित है, जिसमें औद्योगिक गतिविधियों, सेवा गतिविधियों और वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े 41 उच्च आवृत्ति संकेतक शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि इस मॉडल के आधार पर तीसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 0.1 प्रतिशत के करीब रह सकती है। इसमें कहा गया कि तीसरी तिमाही में 41 उच्च आवृत्ति वाले अग्रणी संकेतकों में 58 प्रतिशत तेजी दिखा रहे हैं।

भारत पांच साल में 100 करोड़ मोबाइल फोन, पांच करोड़ लैपटॉप का उत्पादन करेगा: प्रसाद

बिजनेस डेस्क:

संचार मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने कहा है कि अगले पांच साल में भारत का 100 करोड़ मोबाइल फोन, पांच करोड़ टेलीविजन सेट और पांच करोड़ आईटी उपकरण मसलन लैपटॉप और टैबलेट का उत्पादन करने का लक्ष्य है। प्रसाद ने कहा कि देश में फिलहाल 4जी काम कर रहा है और 5जी का परीक्षण जल्द शुरू होने जा रहा है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक वर्चुअल आयोजन को मंगलवार को संबोधित करते हुए प्रसाद ने कहा, ''आगामी पांच वर्ष में भारत एक अरब मोबाइल फोन, पांच करोड़ टीवी सेट और पांच करोड़ आईटी हार्डवेयर उपकरणों मसलन लैपटॉप और टैबलेट का उत्पादन करना शुरू कर देगा। यह आगामी पांच वर्ष के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का हमारा दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि आगामी पांच वर्ष में देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था 1,000 अरब डॉलर पर पहुंच जाए। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के अनुसार नीतिगत हस्तक्षेप से भारत अपनी लैपटॉप और टैबलेट विनिर्माण की क्षमता को 2025 तक 100 अरब डॉलर पर पहुंचा सकता है।

कैबिनेट ने दी अगले दौर की स्पेक्ट्रम नीलामी को मंजूरी, 4 लाख करोड़ जुटाएगी सरकार

बिजनेस डेस्क: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगले दौर की स्पेक्ट्रम नीलामी को मंजूरी दे दी है। सरकार ने 700 **MHz**, 800 **MHz**, 900 **MHz**, 1800 **MHz**, 2100 **MHz,** 2300 **MHz and** 2500 **MHz** बैंड के लिए बोली को मंजूरी दी है। यह 20 सालों के लिए होगी। सरकार ने कुल 2251.25 मेगा हर्ट्ज फ्रीक्वेंसी ऑफर की है जिसकी कुल कीमत 3 लाख 92 हजार 332 करोड़ होगी। यह जानकारी केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने दी है। स्पेक्ट्रम नीलामी को लेकर ऐप्लिकेशन को दिसंबर के महीने में ही इश्यू किया जाएगा। मार्च 2021 तक सरकार ने स्पेक्ट्रम नीलामी प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 5.22 लाख करोड़ रुपए की स्पेक्ट्रम नीलामी योजना की सिफारिश की है। हालांकि, दूरसंचार विभाग द्वारा कुछ पहचानी गई स्पेक्ट्रम फ्रीक्वेंसी का इस्तेमाल रक्षा मंत्रालय और अंतरिक्ष विभाग द्वारा किया जा रहा है। जियो के अनुसार दूरसंचार विभाग के पास नीलामी के लिए 3.92 लाख करोड़ रुपए का स्पेक्ट्रम बिना इस्तेमाल के पड़ा है।

आम बजट में बिजली कंपनियों को लेकर सरकार कर सकती है बड़ी घोषणा

बिजनेस डेस्क:

बिजली वितरण करने वाली कंपनियों को राहत पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार आगामी यूनियन बजट में 3 लाख करोड़ रुपए के पावर सप्लाई रिफॉर्म की घोषणा कर सकती है। इस योजना को अटल डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम इम्प्रूवमेंट योजना के नाम से जाना जाएगा। आपको बता दें कि इसी महीने की शुरुआत में केंद्र सरकार की पब्लिक इंवेस्टमेंट बोर्ड ने इस योजना को मंजूरी दी थी। इसके बाद उम्मीद की जा रही है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वर्ष 2021-22 के लिए पेश होने वाले बजट में इस योजना की घोषणा कर सकती हैं। पावर सप्लाई रिफॉर्म का मकसद शुरुआती चरण में ष्टद्वह्य-ष्प्रद्वह्य के घाटे को 12 से 15त्न तक कम करना है। इसके बाद मार्च 2025 तक बिजली उत्पादन करने में आने वाले खर्च और बिजली वितरण की दर के बीच के घाटे को शून्य करना है। इस योजना का मकसद पावर सप्लाई की गुणवत्ता को भी सुधारना है।

60,000 करोड़ रुपए देगी केंद्र सरकार

इस योजना में खर्च होने वाले 3 लाख करोड़ रुपए में केंद्र सरकार 60,000 करोड़ रुपए देगी और शेष 2 लाख 40 हजार करोड़ रुपए एशियन डेवलपमेंट बैंक और वर्ल्ड बैंक जैसी वैश्विक फंडिंग एजेंसियों से जुटाने की योजना है। सरकार की प्लानिंग इस योजना में इंटिग्रेटेड पावर डेवलपमेंट स्कीम और दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना को समाहित करने की है। इन योजनाओं में खर्च होने वाली राशि भी ष्टद्वह्याष्प्रद्वह्य को दी जाएंगी ताकि पावर सप्लाई रिफॉर्म के लक्ष्यों को पूरा किया जा सके।

ड्राफ्ट जारी होते ही विरोध

केंद्र सरकार इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल 2020 लाएगी। प्रस्तावित सुधार में डायरेक्ट पावर सब्सिडी और फ्रेंचाइज मॉडल का भी का प्रावधान है। सरकार पावर सब्सिडी खत्म करने के भ्रम को भी दूर करने का प्रयास करेगी। हालांकि, इसके कई प्रावधानों से राज्य नाखुश हैं। इस बिल में इस बात का प्रावधान है कि लागत से कम मूल्य पर किसानों सहित किसी भी उपभोक्ता को बिजली न दी जाए। हालांकि, ऊर्जा मंत्रालय विवादित मुद्दों पर फिर से बातचीत की प्रक्रिया प्रारंभ करेगा।

लॉकडाउन से वाहन उद्योग को प्रतिदिन 2,300 करोड़ रुपए का नुकसान, लाखों लोगों की नौकरियां जाने का अंदेश

नई दिल्ली:

संसद की एक समिति ने कहा है कि कोविड-19 महामारी और उसकी रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन से वाहन उद्योग को प्रतिदिन 2,300 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ और क्षेत्र में करीब 3.45 लाख लोगों की नौकरियां जाने का अंदेशा है। समिति ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू को सौंपी। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) सांसद केशव राव की अध्यक्षता वाली वाणिज्य पर संसद की स्थायी समिति ने वाहन क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए कुछ उपायों का भी सुझाव दिया है। इसमें मौजूदा भूमि और श्रम कानूनों में बदलाव शामिल हैं।

उत्पादन में आई 20त्न की कमी

समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ''समिति को वाहन उद्योग के संठनों ने सूचित किया कि सभी प्रमुख मूल कलपुर्जे, उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) ने कम उत्पादन और वाहनों की बिक्री कम होने से अपने उत्पादन में 18 से 20 प्रतिशत की कमी की है। इससे वाहन क्षेत्र में रोजगार की स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और क्षेत्र में करीब 3.45 लाख रोजगार के नुकसान का अनुमान लगाया गया है।''

286 वाहन डीलरों की दुकानें बंद

रिपोर्ट के अनुसार वाहन उद्योग क्षेत्र में नियुक्तियां लगभग रूकी हुई हैं। इसके अलावा 286 वाहन डीलरों की दुकानें बंद हो गई हैं। उत्पादन में कटौती का कल-पुर्जे बनाने वाले उद्योग पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इससे सर्वाधिक असर उन सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) पर पड़ा है, जो वाहन के उपकरण बनाने के काम में लगे थे। समिति ने कहा, ''वाहन उद्योग संगठनों की सूचना के अनुसार कोविड-19 महामारी और उसकी रोकथाम के लिए लगाए गए 'लॉकडाउन% से वाहन ओईएम में उत्पादन रूक गया। इससे वाहन क्षेत्र को प्रतिदिन करीब 2,300 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

संसद की समिति ने यह भी कहा कि वास्तविक प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि 'लॉकडाउन' की अवधि कब तक रहती है और कोविड-19 संकट की स्थिति कैसी रहती है। रिपोर्ट के अनुसार संकट को देखते हुए यह आशंका है कि वाहन उद्योग में कम-से-कम दो साल बड़ी गिरावट रह सकती है। इससे क्षमता का कम उपयोग होगा, पूंजी व्यय कम होगा, कंपनियों के दिवालिया होने तथा पूरे वाहन क्षेत्र में नौकरियों पर प्रतिकूल असर रहने की आशंका है।

बंद खदानों में कामकाज शुरू होने से 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में मिलेगी मदद: अग्रवाल

नई दिल्ली: खनन क्षेत्र के प्रमुख उद्योगपति अनिल अग्रवाल ने मंगलवार को कहा कि विभिन्न विवादों के चलते देश में करीब 500 खदानें बंद पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इन खदानों में कामकाज शुरू होने से देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। वेदांता रिसोंसेज के चेयरमैन अग्रवाल ने उद्योग मंडल एसोचैम के कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''अधिकतम राजस्व प्राकृतिक संसाधनों से आता है आज हमारी 500 खदानें कुछ विवादों के कारण परिचालन में नहीं है। अग्रवाल ने कहा कि अगर इन खदानों में उत्पादन शुरू होता है और हम उत्पादन को दोगुना करते हैं, तो इससे 5,000 अरब डॉलर के लक्ष्य को हासिल करने को लेकर कोई सवाल नहीं रह जाता है। उन्होंने स्व-प्रमाणन की भी वकालत की। उन्होंने कहा कि मंजूरी लेने में कई साल लग जाते हैं, ऐसे में स्व-प्रमाणन को बढ़ावा देने की जरूरत है। अग्रवाल ने कहा, ''अगर नियमों का अनुपालन नहीं होता, आप भारी जुर्माना लगाइए। अग्रवाल ने बड़े पैमाने पर विनिवेश की भी वकालत की। उन्होंने कहा कि हर साल यदि 20 के करीब विनिवेश होते हैं तो बड़ी मात्रा में संपत्ति का सृजन होगा।

ग्रीन राशन कार्ड धारकों के लिए बड़ी खबर, इन कारणों से रद्द किए 2.85 लाख आवेदन

बिजनेस डेस्क:

केंद्र सरकार के निर्देश पर अब फर्जी राशन कार्डधारकों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। झारखंड सरकार ने अपने यहां 2 लाख 85 हजार 299 ग्रीन राशन कार्डधारकों के आवेदनों को रद्द कर दिया है। बता दें कि यह आवेदन वैसे लोगों ने किया है जो इसके लिए योग्य नहीं थे। झारखंड सरकार के खाद्य आपूर्ति विभाग के मुताबिक ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले इन लोगों के पास पक्का मकान, गाड़ी, परिवार के कई सदस्यों की सरकारी नौकरी के साथ इनके परिवार के कई सदस्य पेंशन भी ले रहे हैं। खाद्य आपूर्ति विभाग ने जब इन लोगों के आवेदनों की जांच की तो कई और चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

ऐसे रद्द हो सकता है आपका राशन कार्ड

गौरतलब है कि देश के कई राज्यों ने वैसे परिवारों को ग्रीन कार्ड बना रही है, जिनको अभी तक राशन नहीं मिलता था। झारखंड सरकार ने भी पहले चरण में 15 लाख ग्रीन कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा है लेकिन सरकार के पास अभी तक 38 लाख 97 हजार 119 आवेदन आ चुके हैं। झारखंड सरकार ग्रीन कार्ड बनाने के लिए कुछ गाइडलाइंस जारी कर रखी हैं। ग्रीन कार्ड वैसे लोगों या परिवारों को दिया जाएगा जिनके पास ना तो दो पहिया या चार पहिया वाहन हो, न ही परिवार का कोई शख्स सरकारी सेवा में हो, ना ही परिवार में किसी को पेंशन मिलती हो और साथ ही न ही पक्का मकान हो। केंद्र सरकार के निर्देश पर ऐसे लोगों को एक रुपए की दर से पांच किलो अनाज देने का निर्णय लिया गया है।

गरीब लोगों के लिए है ग्रीन राशन कार्ड योजना

इसी साल मोदी सरकार के निर्देश पर कई राज्य सरकारों ने गरीब लोगों के लिए ग्रीन राशन कार्ड योजना का शुभारंभ किया था। इस योजना के जरिए गरीब लोगों को एक रुपए प्रति किलो अनाज उपलब्ध कराया जाएगा। ग्रीन राशन कार्ड के तहत राज्य सरकारें गरीब लोगों को प्रति यूनिट 5 किलो राशन देगी। केंद्र सरकार के निर्देश पर राज्य सरकारें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अब तक लाभ से वंचित गरीबों को हरे कार्ड के जरिए लाभ पहुंचाएंगी।

EPFO ने कोविड-19 से जुड़े 52 लाख दावों का किया निपटारा, सब्सक्राइबर्स को मिले 13,300 करोड़: गंगवार

बिजनेस डेस्क:

सेवा निवृत्ति कोष का संचालन करने वाली संस्था ईपीएफओ ने कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान भविष्य निधि खातों से धन निकालने के 52 लाख मामलों का निपटारा किया। इसके तहत 13,300 करोड़ रुपए की राशि आवेदकों को जारी की गई। यह राशि बिना वापसी के अग्रिम दावे के तौर पर जारी की गई। श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार ने इस साल मार्च में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जुड़े 6 करोड़ से अधिक अंशधारकों को उनके भविष्य निधि खाते से महंगाई भत्ते सहित अधिकतम 3 माह का मूल वेतन निकालने की अनुमति दे दी थी। महामारी के दौरान लगाए गए लॉकडाउन को देखते हुए भविष्य निधि अंशधारकों को यह सुविधा दी गई। वाणिज्य एव उद्योग मंडल एसोचैम के स्थापना सप्ताह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गंगवार ने कहा कि महामारी के दौरान ईपीएफओ ने 52 लाख कोविड-19 निकासी दावों को निपटान किया और आवेदकों को 13,300 करोड़ रुपए जारी किए। गंगवार ने कहा कि देश ने पूरी बहादुरी के साथ महामारी का मुकाबला किया है। केन्द्र सरकार ने महामारी के दौरान समाज के आर्थिक रूप से कमजोर तबके को सहारा देने के लिए 26 मार्च को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेवाय) की भी शुरुआत की। सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) से निकासी का प्रावधान भी किया और इस संबंध में एक आवश्यक अधिसूचना जारी की गई। इसके तहत ईपीएफ धारकों को उनके खाते से महंगाई भत्ता सहित तीन माह के मूल वेतन के बराबर अथवा कर्मचारी के खाते में उपलब्ध भविष्य निधि का 75 प्रतिशत तक जो भी कम होगा, उसकी बिना-वापसी सुविधा के निकासी का प्रावधान किया गया। श्रम कानूनों के क्रियान्वयन के मामले में उन्होंने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से कहा कि वह तीन श्रम संहिताओं को अमल में लाने के लिए तैयार किए गए मसौदा नियमों पर अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव सरकार को भेजें। सरकार ने औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल पर स्वास्थ्य सुरक्षा एवं कामकाज परिस्थितियों को लेकर नए श्रम कानून बनाए हैं। सरकार ने इन कानूनों को अमल में लाने के लिए नियमों का मसौदा जारी किया है और संबद्ध पक्षों से उनके सुझाव और प्रतिक्रिया मांगी है।

4G डाउनलोड स्पीड में Jio की बादशाहत बरकरार, अपलोड में वोडाफोन आगे

बिजनेस डेस्क:

रिलायंस जियो के ग्राहकों के लिए एक अच्छी खबर है। जियो ने एक बार फिर औसत 4जी डाउनलोड स्पीड में पिछले तीन वर्ष से अधिक से चला आ रहा अपना वर्चस्व बनाए रखा है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के नवंबर माह के आंकड़ों के मुताबिक जियो की औसत डाउनलोड स्पीड 20.8 एमबीपीएस मापी गई जो अक्तूबर के मुकाबले 3.0 एमबीपीएस अधिक है।

अक्तूबर में रिलायंस जियो की 4जी डाउनलोड स्पीड 17.8 एमबीपीएस थी। पिछले तीन वर्षों से भी अधिक समय से रिलायंस जियो डाउनलोड स्पीड के मामले में लगातार नंबर वन 4जी ऑपरेटर बना हुआ है। ट्राई के अनुसार नवंबर में भारती एयरटेल के प्रदर्शन में मामूली सुधार देखा गया। एयरटेल की औसत 4जी डाउनलोड स्पीड अक्तूबर के 7.5 एमबीपीएस के मुकाबले नवंबर में 8 एमबीपीएस रही।

के मुकाबले रिलायंस जियो की स्पीड 2.5 गुना से भी अधिक है। वोडाफोन और आइडिया सेल्युलर ने अपने कारोबार का हालांकि विलय कर लिया है और अब वोडाफोन आइडिया के रूप में काम कर रहे हैं पर ट्राई दोनों के आकंड़े अलग-अलग प्रर्दशित करता है।

दूसरे नंबर पर रहा आइडिया

वोडाफोन और आइडिया नेटवर्क की औसत 4जी डाउनलोड स्पीड में पिछले माह के मुकाबले मामूली अंतर देखने को मिला। जहां वोडाफोन की स्पीड सुधर कर नवंबर में 9.8 एमबीपीएस हो गई वहीं आइडिया की स्पीड गिरकर 8.8 एमबीपीएस पर जा पहुंची।

वोडाफोन और आइडिया दोनों की स्पीड नवंबर में एयरटेल से कुछ अधिक रही पर जियो के मुकाबले आधी से भी कम मापी गई। नवंबर में 6.5 एमबीपीएस के साथ वोडाफोन औसत 4जी अपलोड स्पीड में सबसे ऊपर रहा।

दूसरे नंबर पर आइडिया रहा, उसकी अपलोड स्पीड 5.8 एमबीपीएस रही। वहीं रिलायंस जियो और एयरटेल की नवंबर माह में औसत अपलोड स्पीड क्रमशः 3.7 और 4 एमबीपीएस नापी गई। ट्राई द्वारा औसत गति की गणना माईस्पीड एप्लिकेशन की सहायता से एकत्र रियल टाइम आंकड़ों के आधार पर की जाती है।

1 जनवरी से महंगी होंगी महिंद्रा एंड महिंद्रा की गाड़ियां, कंपनी ने किया ऐलान

बिजनेस डेस्क:

ऑटोमोबाइल प्रमुख महिंद्रा एंड महिंद्रा नए साल से अपने वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी करने जा रही है। 1 जनवरी, 2021 से पैसेंजर और कमर्शियल गाड़ियों कीमतें काफी हद तक प्रभावित होंगी। कंपनी ने एक्सचेंज में फाइलिंग कर ये जानकारी दी है। कंपनी का कहना है कि इनपुट कॉस्ट बढ़ने और कमोडिटी कीमतों में तेजी के चलते कंपनी को यह फैसला करना पड़ा है। सभी मॉडलों में कीमत बढ़ाने की जानकारी अभी नहीं दी गई है।

कितनी बढ़ेंगी कीमतें

दरअसल महिंद्रा एंड महिंद्रा बजट रेंज से लेकर एसयूवी तक की गाड़ियों में डील करती है। कौन सी गाड़ी की कीमत कितनी बढ़ेगी इसकी आधिकारिक घोषणा कंपनी जल्द ही करेगी। कीमतें बढ़ाने की घोषणा से पहले कंपनी ने ऐलान किया था कि वो अपने हर मॉडल पर छूट दे रहा है। इस लिस्ट में वो गाड़ियां शामिल नहीं हैं जिन्हें हाल ही में लॉन्च किया गया है। ये ऑफर्स **BS6** कंप्लायंट महिंद्रा कार पर है जो ऑफिशियल वेबसाइट पर लिस्ट है। भारतीय यूटिलिटी व्हीकल मेकर 3.06 लाख रुपए का डिस्काउंट दे रहा है जिसमें कैश डिस्काउंट, एक्सचेंज बोनस, कॉर्पोरेट डिस्काउंट और दूसरे ऑफर्स शामिल हैं। आपको बता दें कि ये ऑफर सिर्फ इस महीने तक ही लागू हैं।

2.20 लाख तक का डिस्काउंट

Mahindra फ्लैगशिप **SUV** खरीदने वाले ग्राहकों को 2.20 लाख रुपए का कैश डिस्काउंट मिल सकता है जो **BS6 Alturas G4** पर है।

वहीं यहां आपको 50,000 रुपए का एक्सचेंज बोनस भी मिलता है। कारमेकर यहां आपको कॉर्पोरेट डिस्काउंट भी देता है जो 16,000 रुपए से लेकर 20,000 रुपए तक है। वहीं दूसरे ऑफर्स में आपको 4000 रुपए से लेकर 6550 रुपए तक का डिस्काउंट मिल सकता है। कंपनी ने गाड़ियों पर कोई एक्सचेंज ऑफर नहीं दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिन-रात्रि टेस्ट के अनुभवी आस्ट्रेलिया को चुनौती देना चाहेगा भारत

एडीलेड। (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली और उनकी 'निडर' टीम गुरूवार को यहां शुरू होने वाले पहले दिन-रात्रि टेस्ट के लिये आस्ट्रेलिया के गुलाबी गेंद के क्रिकेट के दबदबे को चुनौती देने के मद्देनजर सही चयन करना चाहेगी जबकि मेजबान टीम के कई खिलाड़ी चोटों की समस्या से जूझ रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया कारोबारी कैरी पैकर ने 1970 के दशक में चैनल नाइन पर अपनी 'विश्व सीरीज दिन-रात्रि टेस्ट मैचों' को प्रोमोट करते हुए एक शानदार कैप्शन दिया था, ''बिग ब्वाएज प्ले एट नाइट (शीर्ष खिलाड़ी रात में खेलते हैं)। '' यहां तक कि 2020 में भी सीरीज के लिये इससे उचित कैप्शन नहीं मिल सकता जिसमें कोहली की शानदार बल्लेबाजी का सामना स्टीव स्मिथ की रन जुटाने की निरंतरता से हो, जिसमें चेतेश्वर पुजारा के क्रीज पर टिके रहने की जिद को युवा मार्नस लाबुशेन चुनौती दे। और यह सब एडीलेड ओवर में दूधिया रोशनी में खेले जाने वाले मुकाबले में होगा।

साथ ही दोनों टीमों के तेज गेंदबाज गुलाबी गेंद से गोधूलि के समय बल्लेबाजों के दिमाग में संशय पैदा कराना चाहेंगे। 'जोश हेजलवुड बनाम मोहम्मद शमी' मुकाबला भी काफी रोमांचक होगा जबकि पैट कमिंस के बाउंसर का जवाब जसप्रीत बुमराह अपने यार्कर से देना चाहेंगे। ईशांत शर्मा जैसा अनुभवी तेज गेंदबाज भारतीय टीम में शामिल नहीं है तो वहीं आस्ट्रेलियाई लाइन-अप को अपने स्टार डेविड वार्नर की कमी खलेगी जिससे दोनों टीमें मजबूती के हिसाब से बराबरी पर ही दिखती हैं। हालांकि आस्ट्रेलियाई टीम को ज्यादा दिन-रात्रि टेस्ट खेलने का अनुभव है और उसे घरेलू परिस्थितियों का फायदा निश्चित रूप से मिलेगा। दिन-रात्रि टेस्ट मैच की अपनी खासियत है जिसमें बल्लेबाजों के पहले सत्र में हावी होने की उम्मीद होती है जबकि जब सूरज छिप जाता है तो गेंदबाजों की तूती बोलती है क्योंकि गुलाबी कूकाबूरा की रफ्तार तेज हो जाती है। वहीं भारतीय टीम के पास विभिन्न स्थानों के लिये इतने सारे विकल्प कभी भी नहीं होते थे। इससे 24 घंटे पहले भी कोई भी निश्चित नहीं हो सकता कि टेस्ट मैच के लिये उचित संयोजन कौन सा होगा जो पारंपरिक टेस्ट से अलग है। और दो अभ्यास मैचों ने भारतीय टीम को निश्चित जवाब देने के बजाय दुविधा ही पैदा कर दी है।

सबसे बड़ी दुविधा सलामी बल्लेबाजी के स्थान को लेकर है जिसमें पृथ्वी साव और मयंक अग्रवाल की जोड़ी न्यूजीलैंड की तेज पिचों पर फ्लाप रही थी। शुभमन गिल के रूप में भारत के पास भविष्य का खिलाड़ी मौजूद है लेकिन क्या कोहली और कोच रवि शास्त्री इस युवा को मौका देने को तैयार हैं या फिर वे लोकेश राहुल के टेस्ट मैचों के लचर रिकार्ड की अनदेखी कर उनके अनुभव पर भरोसा करेंगे? मैच से दो दिन पहले भी स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है, हालांकि गिल को अपनी बल्लेबाजी से एलेन बार्डर और सुनील गावस्कर का वोट मिला है जिनके नाम उस चमचमाती ट्राफी पर हैं जिसे विजेता टीम को दिया जायेगा। क्या राहुल छठे स्थान के लिये फिट हो सकते हैं? लेकिन फिर यह हनुमा विहारी की कीमत पर ही होगा जिन्होंने भारतीय टीम के साथ दो वर्षों में कुछ भी गलत नहीं किया है और वह कुछ कामचलाऊ ऑफ ब्रेक गेंदबाजी भी कर सकते हैं। क्या वे यह जोखिम लेने को तैयार हैं? इस समय कोई भी नहीं जानता है। और फिर बल्लेबाज-विकेटकीपर ऋषभ पंत या विकेटकीपर-बल्लेबाज रिद्धिमान साहा के बीच में से किसकी ज्यादा जरूरत की लगातार चलने वाली बहस?

पंत की दोयम दर्जे के आक्रमण के खिलाफ दूधिया रोशनी में 73 गेंद में खेली गयी 100 रन की पारी की तुलना में साहा ने मुश्किल परिस्थितियों में लाल गेंद से प्रथम श्रेणी मैच में अर्धशतकीय पारी खेली थी। लेकिन पंत मैच विजेता हो सकते हैं जबकि साहा बल्ले से मैच बचाने में सर्वश्रेष्ठ हैं। लेकिन दोनों की तकनीक कमजोर हैं जिससे हेजलवुड, कमिंस, मिशेल स्टार्क और नाथन लियोन लगातार उनकी परीक्षा लेंगे। मंगलवार को भारत के शीर्ष बल्लेबाजों को एडीलेड के नेट पर गुलाबी कूकाबूरा से टी नटराजन की अंदर आती गेंदों से परेशानी हो रही थी। अगर नटराजन की 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उन्हें इतनी परेशानी हो सकती है तो गुलाबी गेंद के टेस्ट में दुनिया के सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले स्टार्क कितने खतरनाक हो सकते हैं। कभी कभार कम विकल्प में से चयन करना आसान होता है और कोहली उम्मीद करेंगे कि वह सही विकल्पों का चयन करें ताकि अजिंक्य रहाणे उनके ब्रेक के बाद भारत को यही दोहराने में मदद कर सकें।

कपिल देव की गेंदबाजों को सलाह, ऑस्ट्रेलिया में उछाल भरी विकेटों को देखकर उत्तेजित ना हो

कोलकाता। (एजेंसी)।

दिग्गज भारतीय हरफनमौला खिलाड़ी कपिल देव ने मंगलवार भारतीय तेज गेंदबाजों को उनके मजबूत पक्ष के मुताबिक गेंदबाजी करने की सलाह देते हुए कहा कि गुरुवार से शुरु हो रही चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला में उछाल लेती पिचों को देखकर उत्तेजित ना हो और अपनी ताकत से गेंदबाजी करें। अनुभवी ईशांत शर्मा की अनुपस्थिति में भी, भारत टीम के पास जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी के नेतृत्व में खतरनाक तेज गेंदबाजी आक्रमण है। टीम में उमेश यादव, मोहम्मद सिराज और नवदीप सैनी के रूप में शानदार विकल्प मौजूद है। इस पूर्व दिग्गज का मानना है कि भारतीय गेंदबाजों के पास अब भी ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर गेंदबाजी का अनुभव नहीं है।

कपिल ने यहां भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एक ऑनलाईन सत्र में कहा, '' हमारे तेज गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलिया के पिचों पर गेंदबाजी का अनुभव नहीं है। कई बार वह उछाल देख कर उत्तेजित हो जाते हैं। यह समझना काफी जरूरी है कि उन्हें अपनी ताकत से गेंदबाजी करनी चाहिये।'' भारत के लिए 131 टेस्ट में 434 विकेट लेने वाले पूर्व महान खिलाड़ी ने कहा, '' हमारे पास शानदार तेज गेंदबाज है , लेकिन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी वहां की परिस्थितियों को हमारे गेंदबाजों की तुलना में बेहतर समझते हैं।''

भारत को 1983 में विश्व विजेता बनाने वाले इस पूर्व कप्तान ने कहा कि दिन-रात्रि प्रारूप में खेले जाने वाले श्रृंखला के पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहेगा। उन्होने कहा, '' जाहिर है इस टेस्ट (एडीलेड) में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहेगा। वे अपने घर में खेल रहे है। अगर भारतीय टीम गुलाबी गेंद से भारत में खेलती तो मैं कहता कि भारत के जीतने की संभावना 80 प्रतिशत है। वैसे भी ऑस्ट्रेलिया के पास गुलाबी गेंद से कई मैच खेलने का अनुभव है जबकि भारतीय टीम ने सिर्फ एक टेस्ट दूधिया रोशनी में खेला है।

गुलाबी गेंद के क्रिकेट में अपना डेब्यू करेंगे ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन

एडीलेड। (एजेंसी)

आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने बुधवार को कहा कि हरफनमौला कैमरन ग्रीन टेस्ट क्रिकेट के लिये बने हैं और घोषणा की कि वह भारत के खिलाफ गुलाबी गेंद के क्रिकेट में अपना पदार्पण करेंगे। इस आल राउंडर ने भारत ए के खिलाफ पहले अभ्यास मैच में शानदार शतक जड़ा था और उन्हें टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। लेकिन दूसरे मैच में जसप्रीत बुमराह के स्ट्रेट ड्राइव शॉट से उनके सिर पर गेंद लग गयी।

पेन ने श्रृंखला के शुरूआती मुकाबले से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''उसने अच्छा अभ्यास किया है। अगर सारी चीजें अच्छी रहती हैं तो कैमरून ग्रीन कल पदार्पण करेगा। उसके लिये अच्छी खबर। हमारे लिये और सभी आस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रशंसकों के लिये अच्छी खबर। '' पेन ने अभ्यास मैच में ग्रीन के साथ बल्लेबाजी की थी और शेफील्ड शील्ड में भी उन्हें काफी रन जुटाते हुए देखा है जिससे उन्हें भरोसा है कि उसका भविष्य उज्जवल है। पेन ने कहा, ''वह अपनी उम्र के हिसाब से काफी प्रभावित करने वाला खिलाड़ी है और वह खेल को बखूबी समझता है। उसका दिमाग क्रिकेट की बारीकियों को समझता है और वह दबाव में संयमित रहता है। वह टेस्ट क्रिकेट के लिये बना है।

टोक्यो ओलंपिक 2021 : 25 मार्च से शुरू होगी टॉर्च रिले

टोक्यो। (एजेंसी)

टोक्यो में जुलाई 2021 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए 25 मार्च से टॉर्च रिले शुरू होगी जोकि जापान की राजधानी समेत सभी 47 प्रांतों से होकर गुजरेगी। टोक्यो ओलंपिक के आयोजनकर्ताओं ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

आयोजनकर्ताओं के मुताबिक कोरोना संक्रमण बढ़ने तथा इसके मद्देनजर लगाए गए तमाम प्रतिबंधों के बावजूद 121 दिनों तक चलने वाली टॉर्च रिले 25 मार्च को जापान के फुकुशिमा प्रांत से शुरू होगी और 23 जुलाई को टोक्यो के नेशनल स्टेडियम में ओलंपिक खेलों की शुरुआत के साथ समाप्त होगी।

जापान की राष्ट्रीय प्रसारक एजेंसी की ओर से कराए गए सर्वेक्षण में एक तिहाई नागरिकों ने ओलंपिक खेलों के लिए मूल रूप से निर्धारित की गयी टॉर्च रिले को ही आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की है।

गौरतलब है कि इस वर्ष कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के कारण मार्च में टॉर्च रिले के शुरू होने से कुछ दिनों पहले ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और जापान सरकार ने ओलंपिक खेलों को 2021 तक के लिए स्थगित करने का अभूतपूर्व फैसला लिया था।

किस स्थिति में आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच सकता है भारत?

दुबई। (एजेंसी)

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिये टीमों के बीच मुकाबला कड़ा हो गया है और ऐसे में भारत को अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिये ऑस्ट्रेलिया और फिर स्वदेश में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

भारत आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम रैंकिंग में 114 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया 116.46 अंक लेकर शीर्ष पर है। न्यूजीलैंड के 116.37 अंक हैं और वह ऑस्ट्रेलिया के काफी करीब है। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों टेस्ट मैचों में पारी के अंतर से जीत के बाद 2021 में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बेहद करीब पहुंच गया है। न्यूजीलैंड अगर 26 दिसंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में पाकिस्तान को 2-0 से हरा देता है तो उसके पांच श्रृंखलाओं में 420 अंक हो जाएंगे।

इससे भारत को आठ टेस्ट मैचों में पांच जीत या चार जीत और तीन ड्रा की जरूरत पड़ेगी। भारत को ये सभी मैच मजबूत ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने हैं।हालांकि भारत को इंग्लैड के खिलाफ टेस्ट सीरीज घरेलू पिचों पर खेलनी है। लेकिन इंग्लैड वनडे के साथ टेस्ट में भी मजबूत टीम साबित हो रही है।

इसका मतलब यह भी है कि अगर भारत ऑस्ट्रेलिया से बॉडर गावस्कर सीरीज 0-4 से हार जाता है तो आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुचना नामुमकिन हो जाएगा।

भारत को चाहिए कि अगर वह सीरीज हारे भी तो 0-1 से जिसमें 3 मैच ड्रॉ हों ताकि इंग्लैंड के खिलाफ क्लीन स्वीप कर भारत फाइनल में जगह बना पाए।

आईसीसी विज्ञप्ति में कहा गया है, ''यह भारत की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और न्यूजीलैंड की पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के परिणाम पर निर्भर करता है। आस्ट्रेलिया नंबर एक पर अपनी बढ़त मजबूत कर सकता है या फिर न्यूजीलैंड के लिये शीर्ष पर पहुंचने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। ''

कोविड-19 के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में व्यवधान के बाद अब अंतिम सूची का निर्धारण प्रतिशत अंकों से होगा। पहले हालांकि इसके लिये अंक प्रणाली घोषित की गयी थी।

कभी विश्वकप में बड़ी टीमों को हरा करे थे उलटफेर, अब क्वालिफाइर की मेजबानी करेगा जिम्बाब्वे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

एक समय था जब विश्व क्रिकेट में जिम्बाब्वे एक अहम टीम हुआ करती थी। कई बार जिम्बाब्वे ने विश्वकप में बड़ी बड़ी टीमों को परास्त किया है। इस टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 83 के विश्वकप में और इंग्लैंड को 92 के विश्वकप में हरा दिया था।

99 के विश्वकप में भारत को मिली 3 रन से हार कौन भूल सकता है ? जिससे कई फैंस को सदमा लग गया था, इस ही विश्वकप में जिम्बाब्वे ने दक्षिण अफ्रीका को भी हराया था। लेकिन अब स्थिती यह है कि जिम्बाब्वे को विश्वकप क्वालिफाइंग मुकाबले खेलने पड़ेंगे। हालांकि डूबते को सहारा की तर्ज पर यह अच्छी बात है क्योंकि बमुश्किल जिम्बाब्वे की का अंतरराष्ट्रीय वरीयता हाल ही में बहाल हो पायी है।

भारत में आयोजित होने वाले 2023 वनडे विश्वकप से पहले खेले जाने वाले क्वालीफाइंग मुकाबलों की मेजबानी जिम्बाब्वे करेगा। यह मुकाबले 18 जून से 9 जुलाई 2023 तक खेले जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इसकी घोषणा की।

विश्व सुपर लीग की सात टीमों को विश्वकप 2023 में सीधा प्रवेश मिलेगा जबकि अंतिम पांच टीमें 2023 में होने वाले क्रिकेट विश्वकप क्वालीफायर में हिस्सा लेंगी और वह लीग-2 के तीन सर्वश्रेष्ठ टीम के साथ शामिल होंगी।

क्रिकेट विश्वकप लीग-2 के मैच 19 मार्च 2021 से खेले जाएंगे। छह एकदिवसीय मैचों की इस सीरीज के शुरुआती मुकाबलों में मेजबान अमेरिका, ओमान और नेपाल से भिड़ेगा। 2023 के अंत तक 14 सीरीज में कुल मिलाकर 96 एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे।आईसीसी कार्यक्रम प्रमुख क्रिस टेटली ने कहा, 'जब हमने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्वकप 2023 को अक्टूबर-नवंबर 2023 में आयोजित कराने का निश्चय किया, तो इसने हमें क्वालीफायिंग इवेंट कराने का मौका दिया जिससे हम इस खेल में भागीदारों को अधिकतम अवसर दे सकें।'

उन्होंने कहा, 'हमने सदस्यों और हितधारकों से 96 एकदिवसीय और 60 लिस्ट-ए मैचों के फिर से कराने के लिए मिलकर काम किया है और प्रतिभागियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।' क्रिकेट विश्वकप चैलेंज लीग ए अगले वर्ष अगस्त में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में कनाडा डेनमार्क, मलेशिया, कतर, सिंगापुर और वानुअतु की मेजबानी करेगा, जिसमें कुल 15 मैच होंगे। इस लीग का फाइनल सितंबर 2022 में खेला जाना निर्धारित है।

क्रिकेट विश्वकप चैलेंज लीग बी सितंबर 2021 में जर्सी में आयोजित किया जाएगा, जिसमें बरमूडा, हांगकांग, इटली, केन्या और युगांडा भाग लेंगे। इस टूर्नामेंट में 15 मैच खेले जाएंगे और इसका फाइनल फरवरी 2022 में खेला जाएगा। यह दोनों लीग विश्व क्रिकेट सुपर लीग के साथ चलते रहेंगे।

आईसीसी ने क्वालीफायिंग प्रक्रिया को समझाते हुए बुधवार को कहा कि लीग-2 के 21 त्रिकोणीय सीरीज पूरा होने के बाद शीर्ष तीन टीमें आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्वकप क्वालीफाइंग में अपना स्थान पक्का कर लेंगी। अंतिम चार टीमें पुरुष क्रिकेट विश्वकप क्वालीफायर प्ले ऑफ 2023 में हिस्सा लेंगी और वे चैलेंजेर लीग ए और बी के विजेता से भिड़ेंगी।

विश्व खिताब जीत चुके फ्लायड मेवैदर, लैला अली 'बाक्सिंग हॉल ऑफ फेम' में चुने गये

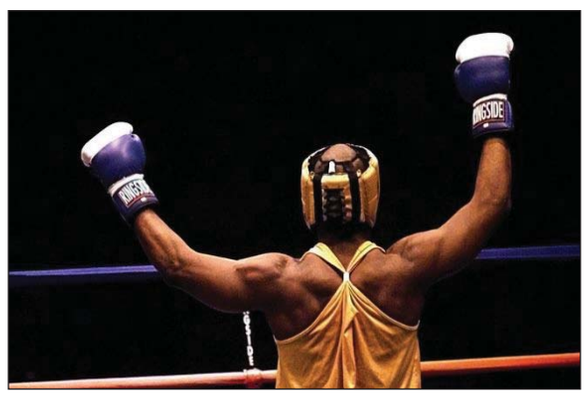

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कैनास्टोटा (न्यूयार्क)। कई विश्व खिताब जीत चुके फ्लायड मेवैदर, पूर्व हेवीवेट चैम्पियन व्लादिमीर क्लिटश्केको और लैला अली को अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी 'हॉल ऑफफेम एंड म्यूजियम' में चुना गया है। मंगलवार को 2021 की श्रेणी की घोषणा की गयी जिसमें पूर्व ओलंपिक चैम्पियन आंद्रे वार्ड, एन वोल्फे, मारियन ट्रिमियार और डा मार्गेट गुडमैन भी शामिल हैं।

विभिन्न वर्गों में मरणोप्रांत चुने गये व्यक्तियों में लाइटवेट चैम्पियन डेवी मूर, जैकी टोनावांडा, कट मैन फ्रेड्डी ब्राउन, मैनेजर-ट्रेनर जैकी मैकॉय, पत्रकार जार्ज किम्बाल और टीवी कार्यकारी जे लार्किन शामिल हैं। इन सभी को 13 जून को शामिल किया जायेगा जिसमें पिछले साल की श्रेणी भी शामिल होगी जिसे कोरोना वायरस महामारी के कारण स्थगित कर दिया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समुन्द्र से घिरा, हरा भरा

खूबसूरत मॉरीशस

मोती के समान सुंदर तथा सफेद मारीशस के चारों तरफ 100 मील का समुद्री तट और मीलों तक फैली रूपहली रेत ही इसका मुख्य आकर्षण हैं। दक्षिणी अफ्रीका के पास स्थित मारीशस द्वीप पर पहले ज्वालामुखी पर्वत थे जिनसे लावा बहता रहता था या बंजर और पथरीली भूमि थी। 1598 में डचों ने मारीशस पर सबसे पहले कब्जा किया और वे तकरीबन 120 वर्षों तक यहां रहे जिसके प्रमाण आज भी यहां मिलते हैं। 1710 में डच मारीशस छोड़ कर चले गए। इसके पांच वर्ष बाद यहां फ्रेंच आए और वह 95 वर्षों तक यहां रहे। इसके बाद फ्रांसीसियों ने इस द्वीप को अंग्रेजों के हाथों बेच दिया। अंग्रेजों ने इस द्वीप को उपजाऊ और हराभरा बनाने के लिए बहुत मेहनत की। उन्होंने भारत से बिहारी मजदूरों को परिवार सहित यहां लाकर खेती के काम में लगाया। मारीशस में गन्ने की लहलहाती खेती बिहारी मजदूरों की मेहनत का ही परिणाम है। 17 वीं और 18वीं सदी में आए मजदूरों की पीढ़ियों ने हिंदू धर्म, भाषा, पहनावा तथा रहन-सहन भारतीय परंपरा के अनुसार ही रखा। मारीशस में वैसे अब नई पीढ़ी आधुनिक पोशाक जींस वगैरह पहनने लगी है लेकिन गांवों में आज भी बड़े-बूढ़े साड़ी और कुर्ता-धोती को ही महत्व देते हैं। स्कूलों में भोजपुरी वर्नाकुलर के रूप में अनिवार्य है। यहां की बोलचाल की भाषा क्रेओल है जो फ्रेंच, अंग्रेजी और भोजपुरी भाषा के मिश्रण से बनी है।

मारीशस को 1968 में अंग्रेजी शासन से पूर्ण आजादी मिली। मारीशस की जलवायु समशीतोष्ण है। यहां मई से अक्टूबर तक सर्दियों का मौसम रहता है लेकिन तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से कम नहीं जाता है। नवंबर से अप्रैल तक गर्मी के मौसम में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं होता है। चूंकि मारीशस चारों ओर समुद्र से घिरा है इसलिए यहां का मौसम वर्ष भर सुहावना बना रहता है। यहां गर्मी में 14 घंटे का और सर्दी में 12 घंटे का दिन होता है। यहां बरसात वर्ष भर होती रहती है।

मारीशस में लिली और ताड़ के वृक्षों की शोभा देखते ही बनती है। पांपलेमस में रायल बोटेनिकल गार्डन यहां का सबसे सुंदर गार्डन है। मारीशस की राजधानी पोर्टलुई यहां का सबसे बड़ा शहर एवं बंदरगाह है। यहां की चौड़ी, साफ-सुथरी सड़कें तथा यातायात व्यवस्था सैलानियों का मन मोह लेती हैं। पोर्टलुई में बड़े-बड़े अतिआधुनिक होटल एवं रेस्तरां हैं, जहां अंग्रेजी, चीनी व भारतीय भोजन आसानी से सुलभ है।

मारीशस में खाने-पीने की हर चीज बहुत महंगी हैं क्योंकि यहां घी, दूध, मक्खन, सब्जियां, अनाज, कपड़े आदि सब कुछ विदेशों से आयात किया जाता है। यहां ज्यादातर खाने की वस्तुएं दक्षिण अफ्रीका से तथा कपड़े व गहने भारत, जापान और कोरिया से आयात किए जाते हैं।

समुद्री खेलों के शौकीन खिलाड़ियों के लिए मारीशस सबसे उपयुक्त जगह है क्योंकि वर्ष भर यहां का मौसम खेलों के लिए बेहतर बना रहता है। आजकल समुद्री खेलों को और अधिक लोकप्रिय व सुविधाजनक बनाने के लिए मारीशस सरकार इस ओर विशेष ध्यान भी दे रही है। मारीशस जाने वाले सैलानी यहां की महिलाओं के हाथ के बने शंख, समुद्री सीप और मोती की मालाएं और हस्तकला की अनेक वस्तुओं को बड़े चाव से खरीदते हैं। तो आप भी जब यहां जाएं तो इन्हें खरीदना नहीं भूलें।

खूबसूरत ही नहीं मदमस्त आबो-हवाओं वाला शहर है

'नैनीताल'

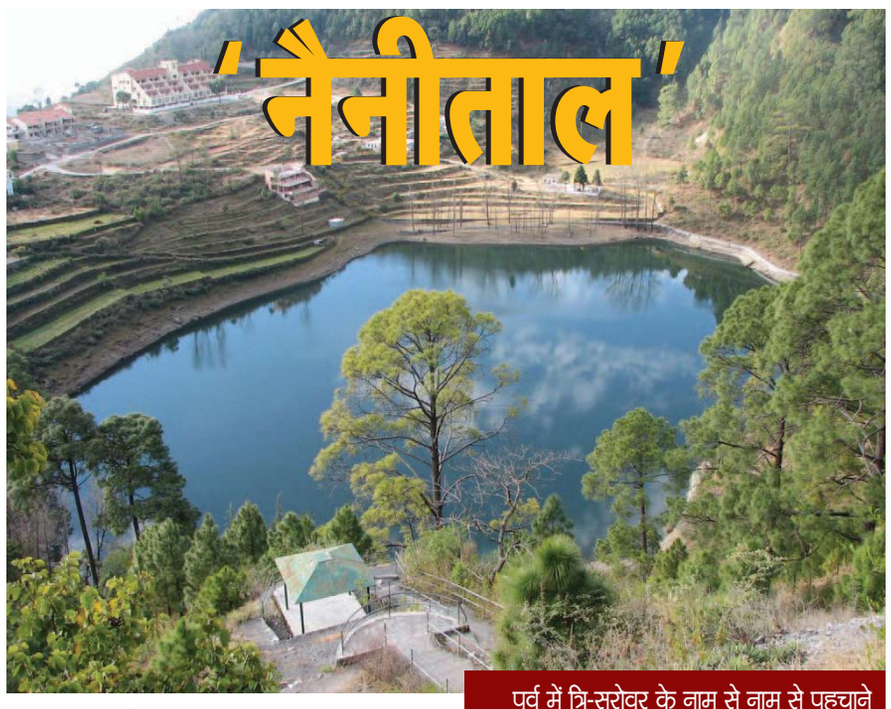

पूर्व में त्रि-सरोवर के नाम से नाम से पहचाने जाने वाले इस शहर के बारे में यह कहने में अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कुदरत ने इस क्षेत्र को बेशुमार प्राकृतिक सौन्दर्य प्रदान करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी है। जिसके फलस्वरूप लगभग दस स्क्वायर कि.मी. क्षेत्र में फैले दर्जन भर रमणीक पर्यटन स्थल हैं जो पर्यटकों का मन बरबस ही मोह लेते हैं। इन पर्यटन स्थलों में राजभवन, गोल्फ कोर्स, स्नोव्यू, नयनापीक, टिफिन टाप, केव गार्डन, नैनी झील, नयना देवी मंदिर, हनुमानगढ़ी मंदिर, लैण्ड्स इंड तथा लड़िया कांठा आदि का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

समुद्र तट से 1938 मीटर की ऊंचाई पर स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी नैनीताल सैर-सपाटे के लिये बेहद उम्दा शहर है। यहां की ऊंची-ऊंची पर्वत श्रृंखलायें, लहराते हुये हरे-भरे पेड़ों की चोटियां और ठण्डी आबो-हवा किसी का भी दिल जीतने के लिये काफी है। शहर का दिल कहलायी जाने वाली नैनी झील यहां के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है।

त्रि-सरोवर क्षेत्र

पूर्व में त्रि-सरोवर के नाम से नाम से पहचाने जाने वाले इस शहर के बारे में यह कहने में अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कुदरत ने इस क्षेत्र को बेशुमार प्राकृतिक सौन्दर्य प्रदान करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी है। जिसके फलस्वरूप लगभग दस स्क्वायर कि.मी. क्षेत्र में फैले दर्जन भर रमणीक पर्यटन स्थल हैं जो पर्यटकों का मन बरबस ही मोह लेते हैं। इन पर्यटन स्थलों में राजभवन, गोल्फ कोर्स, स्नोव्यू, नयनापीक, टिफिन टाप, केव गार्डन, नैनी झील, नयना देवी मंदिर, हनुमानगढ़ी मंदिर, लैण्ड्स इंड तथा लड़िया कांठा आदि का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

चायना बार्डर का दर्शन

220 एकड़ में फैले ब्रिटिश शासनकाल में निर्मित राजभवन व इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुन्दरता का कोई जवाब नहीं है। इस क्षेत्र से लगा गोल्फ कोर्स मानो यहां की प्राकृतिक सुन्दरता में चार-चांद लगाता है। यहां के दूसरे नम्बर पर व्यू की चोटी का नाम लिया जा सकता है। व्यू से जहां नैनीताल की नैसर्गिक सुन्दरता का लुत्फ उठाया जा सकता है वहीं विश्व के सबसे सुन्दर मनोहारी बर्फ से आच्छादित हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं का विहंगम दृश्य लिया जा सकता है। व्यू से डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित नयनापीक पिकनिक स्पॉट के लिये बेहद उम्दा स्थान है। इस चोटी से चायना बार्डर के दर्शन होते हैं। यह चोटी शहर की सबसे ऊंची चोटियों में से एक है।

टिफन टाप

शहर की तीसरी प्रमुख चोटी टिफन टाप के नाम से जानी जाती है। बताया जाता है कि डॉर्थीसीट नामक विदेशी महिला लगभग सौ वर्ष पूर्व यहां बैठकर चित्रकारी किया करती थी। डॉर्थीसीट के निधन हो जाने के पश्चात उसकी कब्र टिफिन टाप में बना दी गयी। जिसके दर्शनार्थ हजारों पर्यटक प्रतिवर्ष टिफिन टाप पहुंचते हैं।

नयना देवी मंदिर

चोटियों से नीचे उतरकर नैनीताल के निचले सैरगाहों पर नजर डाली जाये तो छः दर्जन से अधिक वन्य प्राणियों का चिड़ियाघर प्रमुख पर्यटन स्थल है। नैनीताल के पर्यटन स्थलों में धार्मिक आस्था के प्रतिबिम्ब के रूप में स्थापित नयना देवी मंदिर भी है।

छुट्टी बिताने के लिए निकल जाएं पर्यटन पर

अगर आप शहर के कोलाहल से, दिन भर की हाड़तोड़ मेहनत से और भागदौड़ की जीवनशैली से उकता गए हैं, तो भारत में कुछ ऐसी जगह हैं जहां घूमकर आप फिर से तरोताजा हो सकते हैं। अपने मोबाइल, लैपटॉप और ऑफिस व घर के काम से लीजिए छुट्टी और चल पड़िए उन जगहों पर जहां आप सब भूल कर तरोताजा हो सकते हैं। अपने मोबाइल, लैपटॉप और ऑफिस व घर के काम से लीजिए छुट्टी और चल पड़िए उन जगहों पर जहां आप सब भूल कर तरोताजा हो जाएं।

- 'अंडमान-निकोबार द्वीप समूह' भारत की उन अनदेखी जगहों में से एक हैं जहां पहुंचकर आप प्रकृति के करीब आ जाएंगे। अंडमान-निकोबार में लगभग तीन-सौ द्वीप समूह हैं जिन्हें देखकर आप बेहद तरोताजा महसूस करेंगे और अपनी सारी थकान भूल जाएंगे। प्रकृति के करीब इन बीचों पर समुद्र की लहरों का मजा लेना ही रोमांच से भरा है।

- दुनिया से अलग 'राजस्थान का थार डेजर्ट' भारत के रिमोट जगहों में से एक हैं। रेगिस्तान में ऊंटों की सवारी आपको अलग ही आनंद का अनुभव कराएगी। ऊंट का 'मुस्कुराता' चेहरा रंगीला राजस्थान, वहां का नृत्य, गीत, रेगिस्तान को सोने सी चमक देता है। यह दृश्य आपको मंत्रमुग्ध कर देने के लिए काफी है और आपकी थकान को छूमंतर करने के लिए भी।

- अगर आप थोड़े धार्मिक हैं, तो 'लद्दाख की मोनेस्ट्री' आपको रिलैक्स महसूस कराएगा। खूबसूरत कोर्टयार्ड के साथ बने यह मोनेस्ट्री की खूबसूरती को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। यहां जाकर इसकी खूबसूरती में आप अपने आप को भूल जाएंगे। लद्दाख में ऐसी कई मोनेस्ट्री हैं, जिन्हें देख आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे।

- केरल का 'अलेप्पी' बैकवॉटर से भरा पड़ा हैं। इसे भारत का बैकवॉटर कैपिटल भी कहते हैं। यहां पर बेहतरीन सुविधाओं से पूर्ण हाउसबोट आपको खूबसूरत और सपनों भरी दुनिया में ले जाएंगे। तरह-तरह के पेड़-पौधे, बेहतरीन समुद्री खाना, कभी न खत्म होने वाले धान के खेत और समुद्र किनारे कतार से खड़े नारियल के पेड़ आपको अलग ही दुनिया में ले जाएंगे।

- 'गुजरात के कच्छ' को दुनिया का सबसे विशाल 'नमक का रेगिस्तान' कहा जाता है। रन ऑफ कच्छ भारत के रिमोट प्लेस में से एक है। 458 मीटर की ऊंचाई पर स्थित 'काला डुंगर' से यहां के खूबसूरत दृश्य का नजारा देखा जा सकता है।

- 'घूमने जाएं और प्रकृति के दृश्यों से अछूते रह जाएं तो फायदा क्या। 'वेस्टर्न घाट' को यूनेस्को ने वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित किया है। यहां 1600 किलोमीटर में फैला घना जंगल आंखों को बेहद सुकून देता हैं। एक हजार से भी ज्यादा प्रजाति के पौधे, जानवर, पक्षी और कीड़े-मकोड़े यहां देखने को मिलते हैं। यहां पर कैंपिंग, हाइकिंग व वॉकिंग के बेहतरीन पल आप जिंदगी भर नहीं भूल पाएंगे।

- उत्तराखंड का 'वैली ऑफ फ्लावर' में ट्रेकिंग कर पहुंचा जा सकता हैं। शहर की भीड़-भाड़ से दूर यह जगह हिमालय की ऊंचाइयों पर बसा है। हर साल जुलाई में यह बर्फ से ढकी घाटी फूलों से भर जाती हैं। दुनिया भर से बोटॉनिस्ट यह आते हैं। पहाड़ों का बेहतरीन और मनोहारी दृश्य, हर तरफ हरियाली और भिन्न-भिन्न फूलों की खुशबू आपको सुकून देगी। इसके अलावा उत्तराखंड का 'जिम कार्बेट पार्क में' वन्य प्राणियों को देखने का आनंद ले सकते हैं।

इसके अलावा 'लद्दाख का डीप माउंटेन वैली' ऋषिकेश का आश्रम, अंडमान आइलैंड में स्कूबा डाइविंग और सिक्किम के डोंगरी में ट्रेंकिंग, मेघालय की गहरी गुफाएं और मनाली का पैराग्लाइडिंग भारत के बेहतरीन रिमोट प्लेस में से है।

विशाखापट्नम : अनछुआ है

सौंदर्य जिसका

तीन दिशाओं से समंदर से घिरे हमारे देश की हजारों मील लंबी तटरेखा पर सैकड़ों मनोरम बीच हैं। लेकिन पर्यटकों का ध्यान कुछ खास सागर तटों पर जाकर ही ठहर जाता है। हमने तय कर लिया था कि बार-बार उन्हीं तटों के दृश्य निहारने से बेहतर है किसी अनछुए सागर तट की ओर जाएं। तभी एक दिन कॉफी हाउस में बैठे, बराबर वाली टेबुल पर दो व्यक्ति यों को विशाखापट्नम के सागर तट की बात करते सुना। बस मेरे अंदर छिपे ट्रेवल बग ने मुझे काटना शुरू कर दिया। एक नए पर्यटन स्थल के प्रति उपजी उत्सुकतावश मैं शिष्टाचार भूल उनके वार्तालाप में हस्तक्षेप करने पहुंच गया। उनमें से एक सज्जन विशाखापट्नम से स्थानांतरित होकर हमारे शहर में आए थे। वह बड़े गर्व से बता रहे थे। शायद इसीलिए उन्होंने मेरे हस्तक्षेप का बुरा न माना। दरअसल विशाखापट्नम के बारे में यही सुना था कि वह हमारे देश का सबसे बड़ा जलपोत निर्माण केंद्र तथा एक व्यस्ततम बंदरगाह है। इससे ऐसा लगता था कि वहां के सागरतट पर बस पानी के जहाज ही आते-जाते रहते होंगे। सागर लहरों की दिलफरेब अदाओं का लुत्फ उठाने वालों के लिए शायद वहां कोई जगह न हो। लेकिन एक अंजान व्यक्ति द्वारा वहां के बीच की तारीफ ने इतना प्रभावित किया कि हमने आनन-फानन में विशाखापट्नम यात्रा का कार्य म बना डाला। समता एक्सप्रेस से जब हम विशाखापट्नम स्टेशन पर उतरे तो दिन छिप चुका था। बाहर निकलकर हमने डॉलफिन होटल के लिए टैक्सी पकड़ी, जहां हमने पहले ही रूम बुक करा रखा था। शहर की जगमगाती शाम को देख एक बार ऐसा लगा कि हम किसी महानगर में तो नहीं आ गए। लेकिन विशाखापट्नम कोई महानगर तो नहीं, हां तेजी से विकसित होता एक भव्य शहर जरूर है।

स्थापना विजय के देवता की

ईसा से तीन शताब्दी पूर्व मौर्यकाल में यहां मछुआरों का एक छोटा सा गांव था। मौर्य शासकों के बाद यहां पल्लव वंश, चोल वंश, गंगवंश के राजाओं और उनके बाद विजयनगर साम्राज्य का आधिपत्य रहा। परंतु विशाखापट्नम को यह नाम 11वीं शताब्दी में मिला। जब एक हिंदू राजा ने अपनी काशी यात्रा के दौरान यहां पड़ाव डाला। उन्होंने यहां शौर्य और साहस के देवता विशाखा की मूर्ति स्थापित की। बाद में देवता के नाम के साथ ही पट्नम जुड़ने पर वह गांव विशाखापट्नम कहलाया। एक प्राकृतिक बंदरगाह होने के कारण यह धीरे-धीरे विकसित होता रहा।

हिमाचल का पालमपुर

खींचता है सैलानियों को

पालमपुर अपने सुहावने मौसम, बर्फीली धौलादार की पहाड़ियों, हरीभरी, ऊंची-नीची घाटियों, सर्पीली सड़कों और मीलों फैले चाय बागानों की सुंदरता से सैलानियों को आकर्षित करता है। समुद्रतल से 1,400 मीटर ऊंचाई पर बसा पालमपुर कभी अंग्रेजों की प्रमुख सैरगाह थी। अंग्रेजों ने यहां वैज्ञानिक ढंग से चाय के बड़े-बड़े बाग तैयार किये थे।

अप्रैल 1905 में आए भीषण भूकंप से यहां जानमाल की बहुत क्षति हुई थी। इस घटना के बाद अंग्रेजों का इस स्थान से मोहभंग हो गया। वे अपने बागों को स्थानीय लोगों के हाथों में सस्ते दामों में बेच कर चले गये। आज दो हजार हेक्टेयर भूमि में फैले चाय के बाग पालमपुर की शान हैं। इन्हीं विशाल बागों के कारण पालमपुर **टी सिटी** के नाम से भी जाना जाता है।

पालमपुर का लगभग एक किलोमीटर लम्बा और शिमला के माल रोड़ जैसा बाजार सैलानियों को आकर्षित करता है। दिन भर बाजार में गहमागहमी रहती है। सड़क के दोनों ओर सजी-धजी भव्य दुकानें राह गुजरते लोगों को खरीदारी के लिए बरबस ही अपनी ओर खींचती हैं। बाजार से गुजरते सैलानियों की निगाहें जैसे ही सामने बर्फीले पहाड़ पर पड़ती हैं, वे मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

पालमपुर आए सैलानियों के कदम सबसे पहले न्यूगल पार्क की ओर ही बढ़ते हैं। तीन किलोमीटर दूर न्यूगल पार्क तक का सफर स्वयं में अनोखा अनुभव है। रास्ते के दोनों ओर चाय के बागों में पत्तियां तोड़ती महिलाओं के गीतों का उठता स्वर मन को छू लेता है। न्यूगल पार्क, न्यूगल नदी के डेढ़ सौ मीटर ऊपर एक पहाड़ी टीले पर अंडाकार स्थल पर है, जहां छोटी
स ी

हिमानी नहर के साथ घास का लान और जलपान के लिए हिमाचल पर्यटन विभाग का कैफेटेरिया बना है। हिमानी न्यूगल नदी में मछली शिकार का मजा भी लिया जा सकता है। मत्स्य विभाग से परमिट ले कर इस खेल को दिन भर भी खेला जा सकता है।

न्यूगल पार्क से दो किलोमीटर दूर विंध्यवासिनी देवी का भव्य मंदिर है। मंदिर तक पहुंचने के लिए बस एवं टैक्सी की सुविधा है। यह स्थान आउटडोर फिल्म शूटिंग के लिए भी चर्चित रहा है। इस स्थान की दृश्यावली कश्मीर घाटी से पूरा मेल खाती है। यहां पर फिल्मों की शूटिंग भी चलती ही रहती हैं। यहां से आप घुघर नामक स्थान, जो पालमपुर से एक किलोमीटर दूर है, में संतोषी माता, काली माता और राधाकृष्ण मंदिरों के दर्शन भी कर सकते हैं।

पालमपुर से पांच किलोमीटर दूर एक खूबसूरत गांव चंदपुर देखने योग्य है। यहां सेना की छावनी के साथ चंदपुर टी एस्टेट के नाम से चाय का बड़ा बाग है। बाग के बीच चीड़ के घने वृक्षों में सैलानियों के ठहरने के लिए लकड़ी के आकर्षक घर बने हैं, जिन्हें कंट्री काटेज कहते हैं।

चंदपुर से चार किलोमीटर दूर लांघा भी अच्छा स्थल है। यहां जखणी माता का प्रसिद्ध मंदिर है। समुद्र तल से सात हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित इस मंदिर तक टैक्सी सेवा सुलभ है। यदि आप पैदल चलने का साहस कर सकें तो इस यात्रा का मजा ही कुछ और है। चार किलोमीटर के इस मार्ग में जहां आसपास के प्राकृतिक दृश्यों को देख मन नहीं भरता वहीं रास्ते में पुरुष एवं महिलाएं अपनी भेड़-बकरियों के साथ मस्ती में नाचते-गाते पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। गोरा रंग और चांदी के गहनों में लदीफंदी ये महिलाएं किसी अप्सरा से कम नहीं लगतीं।

पालमपुर घूमने आए सैलानी 12 किलोमीटर दूर अंद्रेटा गांव में पदमश्री सोभा सिंह की आर्ट गैलरी न देखें तो सफर अधूरा माना जाएगा। इस आर्ट गैलरी को देखने विश्व भर से लोग यहां आते हैं। रंगों का पर्व होली पालमपुर का विशेष त्यौहार है। इसे राज्यस्तरीय दर्जा प्राप्त है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एमेटीन दवा करेगी कोरोना का खात्मा, हिसार के वैज्ञानिकों का लैब परीक्षण सफल

हिसार। कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में बड़ी खुशखबरी है। हरियाणा के हिसार के वैज्ञानियों को कोरोना की दवा की तलाश में बड़ी कामयाबी मिली है। उन्होंने लैब में कोरोना की दवा को लेकर सफल परीक्षण किया है। लैब परीक्षण में यह तथ्य साबित हुआ है कि एमेटीन दवा कोरोना वायरस को खत्म करने में कारगर है। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र के तहत नेशनल सेंटर फॉर वेटरनरी टाइप कल्चर (एनसीवीटीसी) के विज्ञानियों ने कोविड-19 और चिकन कोरोना वायरस का खात्मा करने वाली दवा को खोज लिया है। विज्ञानियों ने लंबे समय से अमीबियासिस (एक परजीवी रोग, जिसमें दस्त हो जाते हैं) रोग में प्रयोग होने वाली एमेटीन दवा को कोरोना वायरस के खात्मे के लिए प्रयोग किया। एमेटीन व्यावसायिक रूप से टैबलेट और इंजेक्शन दोनों रूपों में उपलब्ध है। विज्ञानी कोरोना वायरस के प्रसार के बाद से ही एंटी वायरल दवा विकसित करने पर काम कर रहे थे।

राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र के एनसीवीटीसी के विज्ञानियों ने किए सफल परीक्षण

दरअसल लैब में विज्ञानियों के पास 100 से अधिक केमिकल इन्हिबिटर्स का एक अनूठा संग्रहण है जो सेलुलर काइनेज, फॉस्फेटेस और एपिजेनेटिक संशोधकों को टारगेट करते हैं। इन इन्हिबिटर्स को इस्तेमाल करते हुए विज्ञानियों ने हाल के दिनों में विभिन्न प्रकार के वायरस के खिलाफ कई एंटीवायरल दवाओं की पहचान की है। कोविड-19 के शुरुआत होते ही एनसीवीटीसी के विज्ञानियों ने तेजी से अपने इन्हिबिटर्स का कोरोना वायरस 2 (कोविड-19) के खिलाफ परिक्षण किया। एमेटीन एक फूड एंड ड्रग रजिस्ट्रेशन (एफडीए) द्वारा स्वीकृत दवा है।

अमीबियासिस रोग में आती है काम, प्रारंभिक अध्ययन में यह तथ्य आए सामने

प्रारंभिक अध्ययन में एमेटिन को वीरो कोशिकाओं में कोरोना वायरस 2 (कोविड-19) के टाइटर को लगभग 10,000 गुना कम करते हुए देखा गया। इन उत्साहजनक परिणामों के आधार पर विज्ञानियों ने इन्फेक्शंस ब्रोंकाइटिस वायरस (आइबीवी, जिसे चिकन कोरोना वायरस के रूप में भी जाना जाता है) के खिलाफ एमेटीन की एंटीवायरल क्षमता का परीक्षण किया। जहां एमेटीन ने आइबीवी के खिलाफ मुर्गी के भ्रूणों को बिना किसी प्रतिकूल प्रभाव के संपूर्ण सुरक्षा प्रदान की। साथ ही भ्रूणों का विकास भी सामान्य बनाए रखा। यह खोज बायोरेक्सिव (प्रीप्रिंट रिपॉजिटरी) में प्रकाशित भी की गई है। विज्ञानियों ने अपने अथक प्रयास से यह पता लगाया कि एमेटीन दवा संक्रमित मानव कोशिकाओं के अंदर वायरस (कोविड-19) के प्रोटीन का संश्लेषण रोक देती है। एमेटीन कोशिकाओं में उपस्थित एक विशेष प्रोटीन ईआइएफ4ई और वायरस के आरएनए का संपर्क (जो प्रोटीन संश्लेषण के लिए अत्यंत आवश्यक है) नहीं होने देती है। फलस्वरूप वायरस की प्रोटीन का संश्लेषण और तत्पश्चात इसकी जीवन प्रक्रिया रुक जाती है और कोशिकाएं वायरस के दुष्प्रभाव से बच जाती हैं। डा. नवीन को जून 2020 में भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड से कोरोना वायरस पर रिसर्च करने के लिए अनुदान मिला। जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् दिल्ली के अंतर्गत पशु विज्ञान प्रभाग के उप महानिदेशक डा. बीएन त्रिपाठी का योगदान मिला। उन्होंने भी एनसीवीटीसी के एंटीवायरल ड्रग डिस्कवरी कार्यक्रम में गहरी दिलचस्पी लेते हुए फंडिंग की व्यवस्था कराई। इसके साथ-साथ अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं को विकसित करने में भी मदद की है। संस्थान के निदेशक डा. यशपाल ने संस्थान को संक्रामक रोग और एंटीवायरल दवाओं पर अत्याधुनिक अनुसंधान करने की दिशा में अग्रसर किया है। एनआरसीई में प्रधान विज्ञानी डा. नवीन हिसार में अपनी सेवाएं शुरू करने से पूर्व अमेरिका के एमोरी यूनिवर्सिटी में 5 साल तक फ्लू की दवा बनाने पर रिसर्च कर चुके हैं। इनके अलावा कोर रिसर्च ग्रुप के अन्य सदस्यों में डा. संजय बरुआ (प्रधान विज्ञानी), डा. बीआर गुलाटी (प्रधान विज्ञानी), डा. टी रियाश एवं रिसर्च फेलो नितिन खंडेलवाल, राम कुमार और और योगेश चंदर शामिल हैं।

रसोई गैस के दामों में महीने में दूसरी बार बढ़ोतरी

पिपली। इंडियन ऑयल कारपोरेशन ने माह में दूसरी बार रसोई गैस के दामों में बढ़ोतरी की है। बढ़ोतरी से गैस उपभोक्ताओं में रोष है। 2 दिसंबर को कारपोरेशन ने रसोई गैस के सिलेंडर में 50 रुपये की बढ़ोतरी की थी और अब 13 दिन के बाद फिर से 50 रुपये प्रति गैस सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी कर दी है। बढ़ोतरी से गृहणियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, वहीं आम आदमी को बड़ा झटका लगा है। आमजन ने बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार की निंदा की है। ऑल इंडिया अंबेडकर महासभा प्रदेश इकाई की अध्यक्ष रीना वाल्मीकि ने कहा कि एलपीजी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। दाम बढ़ने का सबसे ज्यादा असर मध्यम परिवार के लोगों पर पड़ रहा है। बार बार बिना किसी सूचना के और चुपचाप गैस के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। इससे हर वर्ग का बजट गड़बड़ा गया है। गैस के दामों में बढ़ोतरी से गरीब वर्ग की कमर टूट चुकी है। पार्षद सुदेश चौधरी ने कहा कि महीने में दूसरी बार रसोई गैस के दाम बढ़ाने से गृहिणियों को बड़ा झटका लगा है। अब तक सब्जियों की महंगाई ने मुंह का स्वाद बिगाड़ रखा था। अब रसोई गैस के मूल्य में भारी वृद्धि करके सरकार ने परेशानियां बढ़ा दी हैं। सरकार को बजट में घरेलू सामान की कीमत का ध्यान रखना चाहिए। बढ़ोतरी हर वर्ग के रुलाने वाली है। गृहिणी कुसुमलता ने कहा कि रसोई गैस लोगों की मूलभूत जरूरत है। रसोई गैस को महंगाई से दूर रखना चाहिए। रसोई गैस के दाम बढ़ने का सीधा असर गरीब व मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं पर पड़ता है। बार-बार मूल्य वृद्धि सरकार के वायदों की पोल खोल रही है। महंगाई दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। सरकार मूल्यों के नियंत्रण पर बिल्कुल फेल हो रही है। इससे लोगों का बजट बिगड़ता जा रहा है। गृहिणी अनीता ने कहा कि रसोई गैस के दाम में वृद्धि से रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। 13 दिन में दूसरी बार वृद्धि गले नहीं उतर रही है। सरकार महंगाई को नियंत्रण करने की बजाये और बढ़ाने का काम कर रही है। अगर रसोई गैस के मूल्यों में बढ़ोतरी का यही हाल रहा तो गैस सिलेंडर एक हजार के पार पहुंच जाएगा, जो उपभोक्ताओं की पहुंच से बाहर होगा। गृहिणी कमलेश ने रसोई गैस के दाम बढ़ने पर रोष जाहिर करते हुए कहा कि डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस की कीमतें अगर घटती हैं तो वे एक या दो रुपये घटती हैं, लेकिन जब बढ़ोतरी होती है तो ऊंचे दामों से होती है, जिससे उपभोक्ता को संभालने का मौका नहीं मिलता। रसोई गैस हर वर्ग की जरूरत बन चुकी है। इसके दामों पर सरकार को नियंत्रण रखना चाहिए, नहीं तो हर वर्ग का बजट बिगड़ जाएगा और गैस खरीदना उनकी पहुंच से दूर हो जाएगा।

नगरपालिका ने विवादित जमीन से गिराया निर्माण, विपक्ष ने की भरपाई कराने की मांग

शाहाबाद। शाहाबाद में नगरपालिका की ओर से करवाए जा रहे पार्क निर्माण वाली जगह निशानदेही में सिचाई विभाग की निकली। मामला उजागर होने पर निर्माण कार्य में लाखों रुपये खर्च होने के बाद अब इस निर्माण को गिरा दिया गया है। पूर्व विधायक अनिल धंतौड़ी ने इस खर्च का जिम्मेदारी संबंधित कर्मचारियों पर डालते हुए उनकी जेब से भरपाई करवाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि शाहाबाद में एसडीएम का तबादला भी इसी मामले को लेकर किया गया है। गौरतलब है कि पावर हाऊस के साथ खाली पड़ी सात कनाल 16 मरले भूमि को नगर पालिका ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की बताते हुए पार्क निर्माण शुरू किया था। इस मामले को लेकर 11 दिसंबर को पूर्व विधायक अनिल धंतौड़ी ने डीसी को शिकायत की थी। इस शिकायत पर काम रुकवाते हुए निशानदेही करवाई गई। इस निशानदेही में जमीन सिचाई विभाग की निकली। स्थिति स्पष्ट होने पर अब अधिकारियों ने इस निर्माण को गिरा दिया है। अब मंगलवार को पूर्व विधायक ने पत्रकारों को दस्तावेज दिखाते हुए कहा कि प्रशासन की कार्रवाई के बाद स्थिति स्पष्ट हो गई है कि षड्यंत्र के तहत इस जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि बाद में नगर पालिका ने पार्क बनाने का नाम दिया गया, जबकि यहां पर जिम, विश्राम गृह व अन्य निर्माण किए जाने की तैयारी थी। नगर पालिका ने बगैर किसी मंजूरी इस जगह निर्माण शुरू किया था और अब इस निर्माण को गिरवाना पड़ा। इससे नप के खजाने को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई नपा कर्मचारियों से की जाए। पार्क बनाने की अनुमति देने और टेंडर पास करने वाले अधिकारियों को भी इसमें शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि इस मामले में प्रशासन ने पूरी निष्पक्षता से काम किया। इसी के चलते एसडीएम का तबादला किया गया। इस मौके पर एडवोकेट जसबीर सिंह हांडा, एडवोकेट अशोक वत्स, भारत सिंह, रणधीर कश्यप मौजूद रहे।

सही पैमाइश के बाद करवाया जाएगा पार्क निर्माण

नगर पालिका प्रधान बलदेव राज चावला ने कहा कि यह दो विभागों का मामला है। किसी ने यहां कब्जा करने का प्रयास नहीं किया। सिचाई विभाग के साथ ही एचएसवीपी की जगह लगती है और सही पैमाइश के बाद यहां पार्क निर्माण अवश्य किया जाएगा।

अंधविश्वास से पर्दा उठाएंगे स्टैम बाइक के कलाकार

कुरुक्षेत्र। इंडियन रिसोर्स एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन में विज्ञान प्रचार-प्रसार व जन मानस में वैज्ञानिक चेतना पैदा करने के उद्देश्य से स्टैम बाइक परियोजना शुरू की है। इस योजना के तहत कुरुक्षेत्र के 15 गांवों में विज्ञान से संबंधित करीब 250 एक्टिविटी का प्रदर्शन किया जाएगा। डीसी शरणदीप कौर बराड़ ने मंगलवार को लघु सचिवालय के प्रांगण में स्टैम बाइक परियोजना के तहत संस्था की बाइ?क्र्स रैली को झंडी दिखाई। बराड़ के समक्ष इरादा संस्था के सदस्यों ने वैज्ञानिक दृष्टि से कई जादू दिखाए और बताया कि जादूगर केवल मनोरंजन के लिए ही कार्य करते हैं, इस जादू के खेल के पीछे विज्ञान ही छिपी हुई है। इसलिए आमजन को अंधविश्वास नहीं करना चाहिए बल्कि हर चीज को वैज्ञानिक दृष्टि से देखना चाहिए। इन सदस्यों की वैज्ञानिक कला को देखकर डीसी ने प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि कोरोना-19 के कारण स्कूल, कालेज बंद हैं। इस दौरान विद्यार्थियों की शिक्षा भी प्रभावित हुई है। इसलिए विद्यार्थियों को विज्ञान के बारे में जागरूक करने के लिए एसोसिएशन की ओर से स्टैम बाइक शुरू की गई हैं, ताकि गांव-गांव जाकर विज्ञान का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस मौके पर अरविद कुमार, अर्चना व वीरेंद्र कश्यप मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन के तहत जिले के 94 से अधिक गांवों में हर घर तक पहुंचा पानी

कुरुक्षेत्र। जल जीवन मिशन के तहत जिले के हर घर तक पीने का स्वच्छ पानी पहुंचेगा। राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के तहत हर घर में पीने के पानी का कनेक्शन मुहैया कराए जा रहे हैं। प्रथम चरण में 94 गांवों में पेयजल कनेक्शन देने का काम पूरा किया जा चुका है। इसमें पेयजल सप्लाई की पाइप से लेकर घरों में टूंटियां लगाई जा चुकी हैं। इस मिशन पर 2045 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। जिले के हर गांवों के प्रत्येक घर में पीने के पानी की सीधी सप्लाई होगी। इसके लिए कार्य तेजी से चल रहा है। जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से नए ट्यूबवेल लगाने के साथ वाटर सप्लाई की पाइप लाइन भी डाली जा रही हैं। प्रत्येक घर तक सीधा पीने का पानी पहुंचे, इसके तहत 94 गांवों में यह कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रथम चरण में जिले को 759 लाख रुपये की राशि मुहैया भी हो चुकी है, जिसमें से 350 लाख रुपये खर्च भी किए जा चुके हैं। केंद्र सरकार की ओर से हर घर नल से जल कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। कार्यक्रम के तहत प्रत्येक घर में सीधी पानी की सप्लाई होगी, ताकि ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को दूर से पानी लाने की समस्या से छुटकारा मिल सके। इस योजना के तहत जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से 398 गांवों की सूची तैयार की है, जिनमें पानी की सुविधा तो है, लेकिन हर घर के पास पानी का कनेक्शन नहीं है। इसी योजना को अमलीजामा पहनाते हुए 94 गांवों में हर घर को पानी की कनेक्शन मुहैया कराया गया है।

पानी की बर्बादी को रोकने के लिए विभाग लगा रहा है टूंटियां

जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन अरविद रोहिला ने बताया कि हर घर तक पानी पहुंचाने के साथ जनस्वास्थ्य विभाग पानी की बर्बाद को रोकने की तरफ भी पूरा ध्यान दे रहा है। कनेक्शन देने के साथ विभाग की ओर से टूंटियां यानि नल भी लगाए जा रहे हैं, ताकि जितने पानी की जरूरत हो, उतना ही खर्च हो सके। व्यर्थ में पानी की बर्बादी को रोकने में टूंटियां कारगर साबित हो रही हैं और ग्रामीण भी पानी बचाव के प्रति पूरी जागरूकता दिखा रहे हैं।

इंटरनेट मीडिया टीम ने सात दिन में 90 हजार लोगों तक पहुंचाया अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का संदेश

कुरुक्षेत्र। पिछले कई सालों से धूमधाम से मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव अबकी बार कोरोना वायरस के चलते ऑनलाइन व वर्चुअल प्रणाली से आयोजित किया जा रहा है, जिसकी तैयारियां पिछले कई दिनों से चल रही हैं। इन कार्यक्रमों के ऑनलाइन आयोजन के लिए कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड (केडीबी) की ओर से इंटरनेट मीडिया सेल गठित किया गया है। यह टीम अंडर ट्रेनिग आइएएस वैशाली सिंह एवं मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी आशिमा टक्कर की देखरेख में काम कर रही है। टीम में श्रीकृष्ण संग्रहालय के पूर्व क्यूरेटर राजेंद्र सिंह राणा, वर्तमान क्यूरेटर बलवान कार्य कर रहे हैं। वहीं अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ विकास शर्मा, अनिल, भव्य, भारत सैनी भी टीम के साथ काम कर रहे हैं। इंटरनेट मीडिया के नए प्रयोगों को समझने के लिए केडीबी ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग से नमन, सचिन, अनूप सेमवाल, कशिश चौहान, रवि संबरवाल, दीक्षा कटारिया व गौरव को भी साथ जोड़ा है। यह टीम पिछले दो सप्ताह से लगातार काम कर रही है। टीम ने पिछले सात दिन में गीता महोत्सव के आयोजन का संदेश 90 हजार से अधिक लोगों तक पहुंचाया है। प्रतिदिन औसतन 13 हजार लोग महोत्सव के इंटरनेट मीडिया हैंडल से जुड़ रहे हैं। जो महोत्सव के करीब आते-आते और बढ़ रहे हैं। उत्सव की इंटरनेट मीडिया सेल इसके साथ-साथ ऑनलाइन गीता क्विज, फोटोग्राफी प्रतियोगिता व लाइव महाआरती का भी आयोजन कर रही है। टीम तीन वीडियो सीरीज पर भी काम कर रही है।

हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज की तबीयत बिगड़ी, फेफड़ों के संक्रमण के चलते मेदांता रैफर

रोहतक। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज की हालत में ज्यादा सुधार नहीं हो पाया, इसलिए पीजीआइ रोहतक के डॉक्टरों की सांसें फूली हुई है। आनन-फानन में पीजीआइ की टीम ने दिल्ली एम्स के डॉक्टरों का सहारा लेना उचित समझा। एम्स की एक टीम देर रात रोहतक पहुंची और स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज की जांच की। हालत में सुधार नहीं होता देख मंगलवार शाम को अनिल विज को मेदांता अस्पताल में रेफर करने का फैसला लिया गया है। उनके फेफड़ों में संक्रमण ज्यादा है। कुछ घंटे बाद वे मेदांता में पहुंच जाएंगे। वहीं, हालातों के मद्देनजर नेताओं का पहुंचना भी शुरू हो गया है। हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ आज रोहतक पीजीआइ में पहुंचे और अनिल विज के स्वास्थ्य का हालचाल जाना। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज से मुलाकात हुई है। उनका स्वास्थ्य ठीक है, मगर अभी संक्रमण ज्यादा है। उन्होंने कहा कि एम्स के डॉक्टरों का अनुभव अच्छा है, इसलिए उन्हें बुलाया गया है। ओम प्रकाश धनखड़ के अनुसार यदि मरीजों से परिजनों को मिलने वालों को मिलने दिया जाए तो मरीज जल्दी ठीक होता है। उन्होंने डॉक्टरों से आग्रह किया कि कोविड-19 नियमों का पालन करते हुए हर दिन कुछ एक लोगों को अनिल विज से मिलने दिया जाए, ताकि वह जल्दी ठीक हो सकें। गौरतलब है कि कोरोना पॉजिटिव होने के बाद 3 दिन पहले अनिल विज को रोहतक पीजीआइ में भर्ती करवाया गया था। उनको प्लाज्मा भी चढ़ाया गया बावजूद इसके उनकी हालत में काफी सुधार नजर नहीं आया, इसलिए एम्स के डॉक्टरों की एक टीम को बुलाया गया है ताकि उनका स्वास्थ्य में सुधार हो सके। बता दें, डाक्टरों ने गत दिवस ही उनकी दवाओं में थोड़ा बदलाव किया है। पहले दी जा रही एंटीबायोटिक को बदला गया है। इससे पहले उन्हें रविवार को प्लाज्मा थेरेपी दी गई थी। बताया जा रहा है कि मेदांता, एम्स के अलावा ऑस्ट्रेलिया के विशेषज्ञ चिकित्सकों से बातचीत की गई है। पीएमओ से लेकर सीएमओ कार्यालय तक उनके स्वास्थ्य का हालचाल पूछा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने वॉलन्टियर्स के रूप में कोवैक्सीन परीक्षण के लिए टीका लगवाया था। इसके बाद वह कोरोना संक्रमित हो गए। हालांकि, डॉक्टरों का कहना है कि कोवैक्सीन कुछ दिन बाद काम करती है।

आइजी ने किया एसपी कार्यालय का निरीक्षण

कुरुक्षेत्र। अंबाला रेंज के आइजी वाई पूर्ण कुमार ने एसपी कार्यालय का औपचारिक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां तैनात सभी शाखा प्रभारियों से उनकी शाखाओं में लंबित मामलों की विस्तृत जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आइजी ने लंबे समय से लंबित चले आ रहे अनुसंधानाधीन मामलों का अवलोकन किया तथा उनका शीघ्र निपटारा करने के आदेश दिए। वाई पूर्ण कुमार ने जिला कुरुक्षेत्र की लंबित शिकायतों पर भी विशेष ध्यान देते हुए कहा कि आमजन की शिकायतों का शीघ्र अति शीघ्र निपटारा किया जाए। इससे पुलिस के कार्य में निपुणता आएगी तथा आमजन में पुलिस की छवि सुधरेगी और लोगों का पुलिस के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा।

बालीवुड प्रतियोगिता में विजेता रही गांव कलामपुरा की टीम

कुरुक्षेत्र। सेक्टर 30 में गुरु ब्रह्मानंद स्पोर्ट्स क्लब की ओर से आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में करनाल जिला के गांव कलामपुरा की टीम ने पहला स्थान हासिल किया है, जबकि गांव चोर कारसा की टीम दूसरे स्थान पर रही है। विजेता टीम को मुख्यातिथि जिला परिषद के पूर्व सदस्य चीमनलाल ने 15 हजार रुपये का नकद पुरस्कार और दूसरे स्थान पर ही टीम को 11 हजार रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं करवाने से युवाओं में खेलों के प्रति रुझान बढ़ता है। उन्होंने आयोजकों को इसके लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेलों में हिस्सा लेने से खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहता है।

प्रेमिका की कम उम्र पर नाराज हुआ हाईकोर्ट, झूठी जानकारी देना प्रेमी जोड़े को पड़ा भारी

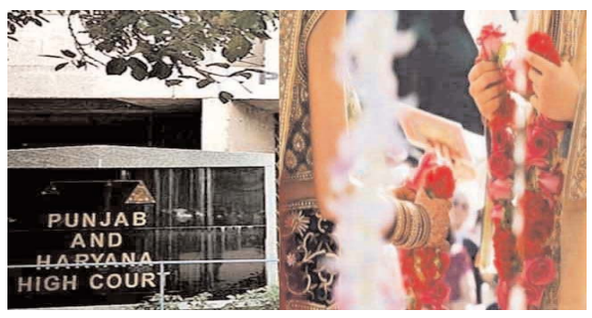

चंडीगढ़। एक प्रेमी जोड़े को गलत जानकारी देने पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से सुरक्षा की मांग करना महंगा पड़ गया। प्रेमी जोड़े ने शादी के लायक उम्र न होने के बाद भी हाई कोर्ट में याचिका दायर कर खुद को शादी के योग्य बताया तथा याचिका में अपनी उम्र बढ़ाकर दिखा दी। जब मामले की तहकीकात हुई तो पता चला की लड़का व लड़की दोनों हिंदू विवाह अधिनियम के तहत विवाह योग्य आयु नहीं रखते। झूठ का पता चलने पर हाई कोर्ट ने इस मामले में संज्ञान लेकर लड़के व लड़की दोनों के खिलाफ हाई कोर्ट की अवमानना के तहत कार्रवाई शुरू कर दी। मामला फतेहाबाद जिले का है। गांव जाखल निवासी एक लड़के और लड़की ने हाई कोर्ट में अपने घरवालों से जान का खतरा बताकर सुरक्षा की मांग की। दोनों ने हाई कोर्ट को बताया कि लड़के की उम्र 21 साल व लड़की की उम्र 20 साल है। जब हाई कोर्ट ने लड़की के परिजनों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया तो उन्होंने कोर्ट को बताया कि लड़की की उम्र केवल 17 साल है, जो कि नाबालिग की श्रेणी में आती है। हाई कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि दोनों का विवाह हिंदू विवाह अधिनियम के तहत मान्य नहीं है, लेकिन यह मुद्दा नहीं है। उनको जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।

हाई कोर्ट ने एसएचओ जाखल को दोनों को सुरक्षा देने का आदेश देते हुए एसपी फतेहाबाद को लड़का व लड़की की उम्र की जांच के आदेश दिए। इस पर सरकार की तरफ से रजिस्ट्रार जन्म व मृत्यु तथा स्कूल प्रमाण पत्र पेश कर कोर्ट को बताया गया कि लड़का 21 साल का है, जबकि लड़की 18 साल से कम उम्र की है। इस जवाब पर लड़का व लड़की की तरफ से हाई कोर्ट से याचिका वापस लेने का आग्रह किया गया।

हाई कोर्ट ने याचिका वापस लेने की छूट देते हुए दोनों को बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत विवाह करने व हाई कोर्ट में गलत जानकारी देने पर संज्ञान लेकर उनसे पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना के तहत कार्रवाई की जाए। हाई कोर्ट ने एसपी फतेहाबाद को भी इस मामले में जवाब देने का आदेश दिया है।

हरियाणा में मंत्रिमंडल विस्तार से पहले निर्दलीय विधायकों की खास डिप्लोमेसी, दोनों हाथों में लड्डू

चंडीगढ़। हरियाणा में चल रही राजनीतिक हलचल और राज्य मंत्रिमंडल में विस्तार की चर्चाओं के बीच मनोहरलाल सरकार को समर्थन दे रहे निर्दलीय विधायक खास %डिप्लोमेसी% अपना रहे हैं। इन निर्दलीय विधायकों ने सिर जोड़ लिए। इन विधायकों ने मुद्दा तो किसानों के आंदोलन और एसवाईएल का पानी दिलाने को बनाया, लेकिन दोनों हाथों में लड्डू रखते हुए उन्होंने बैठक के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की और उन्हें सरकार के साथ होने का मजबूत भरोसा दिलाया। निर्दलीय विधायकों की इस पूरी प्रैक्टिस को मनोहर सरकार के संभावित मंत्रिमंडल विस्तार से जोड़कर देखा जा रहा है। जजपा विधायकों की नाराजगी के बीच निर्दलीय विधायक अवसर का लाभ उठाने की फिराक में हैं, लेकिन उनकी इस कूटनीति में हरियाणा के हित भी छिपे हैं।

पहले किसानों की बात रखी, फिर सरकार के पाले में दिखे

हरियाणा में सात निर्दलीय विधायक हैं, जिन्होंने भाजपा-जजपा गठबंधन की सरकार बनने के साथ ही मुख?यमंत्री मनोहर लाल को बिना शर्त अपना समर्थन दे दिया था। महम के निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू ने अपने बागी तेवरों के चलते सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। मुख्यमंत्री ने रानियां से निर्दलीय विधायक रणजीत चौटाला को अपनी सरकार में बिजली व जेल मंत्री बना रखा है। बाकी बचे पांच निर्दलीय विधायकों को सरकार ने विभिन्न बोर्ड एवं निगमों का चेयरमैन नियुक्त कर दिया था, ताकि वह सरकार के साथ बंधे रहें।

मंत्रिमंडल विस्तार के मद्देनजर निर्दलीय विधायकों की लंच डिप्लोमेसी, जजपा के जोगीराम सिहाग भी शामिल

प्रदेश में किसान आंदोलन के चलते चरखी दादरी के निर्दलीय विधायक सोमवीर सांगवान पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन से इस्तीफा देकर सरकार से समर्थन वापसी का ऐलान कर दिया था, लेकिन उन्हें मजबूरीवश ऐसा करना पड़ा। अब प्रदेश में भाजपा-जजपा गठबंधन की सरकार के मंत्रिमंडल में बदलाव और विस्तार होना है। कुछ मंत्रियों को हटाया जाना है। कुछ मंत्रियों के विभागों में बदलाव होगा तो कुछ नए विधायकों को मंत्रिमंडल में मौका दिया जा सकता है। मंत्रिमंडल में दो सीटें पहले से खाली चल रही हैं। ऐसे में निर्दलीय विधायकों की सोच है कि 10 विधायकों वाली जजपा जब सरकार में पावरफुल स्थिति में है तो छह निर्दलीय विधायक सरकार में अहम जिम्मेदारी क्यों नहीं संभाल सकते। हालांकि किसान आंदोलन व निकाय चुनाव के चलते मंत्रिमंडल विस्तार अब जनवरी में ही संभव है। पंचकूला में मंगलवार को पूंडरी के निर्दलीय विधायक रणधीर गोलन के निवास पर नीलोखेड़ी के विधायक धर्मपाल गोंदर, पृथला के विधायक नयनपाल रावत, बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद और चरखी दादरी के विधायक सोमवीर सांगवान जुटे। बिजली मंत्री रणजीत चौटाला इस बैठक में नहीं पहुंचे। हरियाणा हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन का पद ठुकराने वाले बरवाला के जजपा विधायक जोगी राम सिहाग भी निर्दलीय विधायकों की मीटिंग में शामिल हुए। सभी ने मिलकर लंच किया और किसानों की मांगों का समर्थन किया। साथ ही कहा कि केंद्र व राज्य सरकार को एमएसपी की गारंटी मांग रहे किसानों की बात को स्वीकार कर लेना चाहिए। हालांकि केंद्र सरकार इसके लिए पहले से राजी है। बैठक करने के बाद निर्दलीय विधायक नयनपाल रावत के नेतृत्व में मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मिलने उनके निवास पर पहुंचे। इस मुलाकात के दौरान सोमवीर सांगवान और जोगी राम सिहाग ने कन्नी काटे रखी। नयनपाल रावत, राकेश दौलताबाद, धर्मपाल गोंदर और रणधीर गोलन ने मुख्यमंत्री से कहा कि कांग्रेस किसानों के इस आंदोलन को बेवजह तूल दे रही है। हरियाणा के किसान शांतिप्रिय हैं। राज्य सरकार ने किसानों की मांगों को केंद्र तक पहुंचाकर सराहनीय कार्य किया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफियाओं की अब खैर नहीं

- राज्य में आज से लागू हुआ 'गुजरात लैंड ग्रैबिंग प्रोहिबिशन एक्ट २०२०'
- दोषी पाए जाने पर हो सकती है १० से १४ साल तक की जेल
- भूमाफ़ियाओं पर शिकंजे के लिए कलेक्टरों की अध्यक्षता में समितियों का होगा गठन
- विशेष अदालतें बनाकर ६ महीने में किया जाएगा केस का निपटारा
- कानून में प्रावधान, आरोपी को ही सिद्ध करना होगा कि वह निर्दोष है

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद (ईएमएस)7 गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य की सरकारी ज़मीनों, साधारण किसानों, निजी व्यक्ति के स्वामित्व वाली और सार्वजनिक ट्रस्ट या धर्म स्थानों की ज़मीन पर अवैध कब्ज़ा करने वाले भूमाफ़ियाओं के विरुद्ध सख्त क़ानून 'गुजरात लैण्ड ग्रैबिंग प्रोहिबिशन एक्ट २०२०' (GLGPA 2020) को आज लागू कर दिया है। राज्य मंत्रिमंडल द्वारा गुजरात लैण्ड ग्रैबिंग प्रोहिबिशन विधेयक २०२० को स्वीकृति देने के बाद राज्यपाल की अनुमित मिलते ही यह विधेयक अधिनियम बना और अब रूपाणी सरकार ने इसे पूरे राज्य आज से लागू कर दिया है।

इस अधिनियम की सबसे बड़ी और विशेष बात यह है कि किसी की ज़मीन पर अवैध अतिक्रमण करने वालों या अवैध कब्ज़ा करने वालों को १० वर्ष से १४ साल तक के कारावास का प्रावधान किया गया है। जनहित में लिया गया गुजरात सरकार का यह निर्णय ऐतिहासिक है।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने संवाददाताओं से इस नए क़ानून के विषय में कहा कि राज्य में लोगों की, विशेषकर ग़रीब एवं आम किसानों की भूमि को भूमाफ़ियाओं द्वारा हड़प लेने की शिकायतें बढ़ रही थीं, जिसके चलते यह नया क़ानून लाया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेन्स में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा ''उनकी सरकार अवैध रूप से भूमि हथियाने वालों को किसी भी मूल्य पर नहीं छोड़ेगी, चाहे वह कितना ही बड़ा दबंग, वर्चस्वशाली या प्रभावशाली क्यों न हो। सरकार ऐसी गतिविधियों के दमन के लिए कृतसंल्प है। रूपाणी ने कहा कि यह कानून, भूमाफ़ियाओं के लिए और आपराधिक तत्वों के लिए एक बहुत बड़ा सबक साबित होगा। इस क़ानून के कड़ाई से लागू होने और इसके तहत कड़े दंडात्मक प्रावधानों के कारण अब किसानों या आम लोगों की मूल्यवान भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा कब्ज़ा कर लेने की गंभीर घटनाओं पर रोक लगेगी।

नए क़ानून के कुछ प्रमुख प्रावधान

राज्य सरकार के इस नए क़ानून के तहत दोषी पाए जाने वाले अपराधी को कम से कम १० वर्ष और अधिक से अधिक १४ वर्ष की क़ैद की सज़ा देने तथा उसकी हथियाई गई सम्पत्ति की जंत्री के मूल्य का दंड वसूलने का प्रावधान किया गया है।

जीएलजीपीए २०२० को लेकर एक्शन में सरकार=

***गुजरात लैण्ड ग्रैबिंग प्रोहिबिशन एक्ट २०२० को तत्काल प्रभाव से क्रियान्वित करने के लिए सभी जिलों में कलेक्टरों की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है, जो किसी की ज़मीन पर अवैध कब्ज़ा किए बैठे लोगों, फर्ज़ी शिकायत करने वालों, किसी की ज़मीन का टाइटल बिगाड़ने की प्रवृत्ति वाले लोगों तथा उनके विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की सर्वांगीण जाँच करेगी।

***जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली इस समिति में अतिरिक्त निवासी कलेक्टर (एडिशनल रेज़िडेंस कलेक्टर) सदस्य सचिव होंगे, जबकि जिला विकास अधिकारी (डीडीओ), जिला पुलिस अधीक्षक (डीएसपी), महानगर पालिका आयुक्त पुलिस आयुक्त नगरीय विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सचिव होंगे।

***जीएलजपीए २०२० का एक विशेष और अत्यंत कड़ा प्रावधान यह है कि सरकारी ज़मीन हड़पने या अवैध कब्ज़ा करने के मामलों में या किसी असामाजिक तत्व के ऐसे कृत्य के मामलों में जिला कलेक्टर तथा राज्य सरकार को स्वयं संज्ञान (सुओमोटो) लेकर कार्रवाई करने का अधिकार दिया गया है। इसके चलते सरकार या कलेक्टर अपने स्तर पर राज्य तथा संबंधित जिले में बिना किसी के दबाव के भूमाफ़ियाओं पर कार्रवाई कर सकेंगे।

***जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति की बैठक हर १५ दिन में अनिवार्य रूप से होगी। सदस्य सचिव बैठक में समिति को प्राप्त शिकायतें प्रस्तुत करेंगे। उन शिकायतों की जाँच सम्बद्ध प्रांत अधिकारी अन्य सक्षम अधिकारी को सौंपेंगे।

***ऐसी शिकायतें लम्बे समय तक लंबित न रहें, इसके लिए मुख्यमंत्री ने स्वयं रुचि लेकर पहले चरण से ही जाँच के प्रत्येक स्तर के लिए प्रक्रिया की समयसीमा सनिश्चित की है। तद्अनुसार जाँच अधिकारी को किसी भी विभाग से पाँच दिनों के भीतर तथ्य जुटाने होंगे।

इस प्रकार की जाँच में प्रथम दृष्ट्या शिकात करने वाले का हित जुड़ा हुआ है या नहीं ? इतना ही नहीं, रेवेन्यू टाइटल सम्बद्ध व्यक्तिके नाम पर है और वास्तव में क़ानून का उल्लंघन हुआ है या नहीं ? उसकी सम्पूर्ण जाँच के लिए जाँच अधिकारी प्रथम दर्शनीय रिपोर्ट समिति को सौंपेंगे। इतना ही नहीं, बल प्रयोग, धमकी, लोभ-प्रलोभन-लालच या धोखाधड़ी द्वारा ऐसी ज़मीन पर कब्ज़ा किया गया है या नहीं ? इसकी भी रिपोर्ट जाँच अधिकारी समिति को सौंपेंगे।

***जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति को जाँच अधिकारी द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद २१ दिनों के भीतर निर्णय करना होगा। यदि समिति इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि लैण्ड ग्रैबिंग एक्ट का उल्लंघन हुआ है, तो समिति को पुलिस में शिकायत दर्ज़ करने का निर्णय घोषित करना होगा।

इतना ही नहीं, संबंधित पुलिस अधिकारी को समिति की शिकायत ७ दिन के भीतर स्वदृक्दर्ज़ करनी होगी तथा FIR दर्ज़ होने के ३० दिन के भीतर सम्पूर्ण आरोपपत्र (चार्जशीट) तैयार कर विशेष जीएलजीपीए कोर्ट में प्रस्तुत करना होगा।

इस क़ानून के तहत दर्ज़ आपराधिक केसों की जाँच पुलिस उपाधीक्षक (DYSP) दर्ज़े के अधिकारी करेंगे।

विशेष जीएलजीपीए अदालतें, ६ माह में केस का निपटारा

गुजरात लैण्ड ग्रैबिंग प्रोहिबिशन एक्ट २०२० के तहत दर्ज़ मामलों के तेज़ी से निपटारे के लिए विशेष अदालतें गठित करने का प्रावधान किया गया है।

***इन विशेष जीएलजीपीए अदालतों में चलने वाले केसों को अधिकतम् ६ माह में निपटान करना होगा।

***राज्य सरकार प्रत्येक विशेष अदालत में सरकारी वकील (पब्लिक प्रॉसीक्यूटर) की नियुक्तिकरेगी।

***विशेष अदालतों के लिए दीवानी व फ़ौजदारी अधिकार होंगे, जिससे भूमाफ़ियाओं को कड़ी से कड़ी सज़ा दी जा सकेगी। साथ ही निर्दोष, व्यक्ति किसान, ग्रामीण, शहरी सहित सभी प्रकार के नागरिकों को त्वरित न्याय एवं उचित मुआवज़ा मिल सकेगा।

***यद्यपि इस नए क़ानून के तहत आरोपी को भी अपनी बेगुनाही सिद्ध करने का पूरा अवसर दिया जाएगा। उसे अदालत के समक्ष सिद्ध करना होगा कि उसने वादी की ज़मीन पर अवैध कब्ज़ा नहीं किया है। यानी इस क़ानून के तहत सिद्ध करने का बोझ (बर्डन ऑफ प्रूफ) आरोपी लैण्ड ग्रैबर पर होगा,

***भूमि विवाद की ऐसी शिकायतों में ज़मीन ख़रीदने वाले को ख़रीदारी के लिए प्राप्त धन का स्रोत भी सिद्ध करना होगा।

पुलिस की रेड में शराब के नशे की हालत में धरे गए ३ कस्टम अधिकारी

क्रांति समय दैनिक

अमरेली एलसीबी ने पीपावाव पोर्ट के गेस्ट हाउस में छापा मारकर कस्टम विभाग के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों अधिकारी शराब के नशे में धुत्त थे। पुलिस ने घटनास्थल से विदेशी शराब की बोतल समेत रु १७८०० का माल सामान जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरूकी। जानकारी के मुताबिक अमरेली जिला पुलिस अधीक्षक निर्लिप्त राय के आदेश पर एलसीबी ने जिले के पीपावाव पोर्ट के गेस्ट हाउस के रूम नंबर १ में रेड की। कस्टम विभाग के अधीक्षक निलेश दिनेशचंद्र जोशी के यहां अन्य कस्टम अधिकारी भगवान सहायभाई मीना और किरपानंदन गुरुवन शराब पी रहे थे। पुलिस की रेड से कस्टम अधिकारियों का नशा हवा हो गया। पुलिस ने कस्टम विभाग के अधीक्षकों

को शराब के नशे की हालत में गिरफ्तार कर लिया। साथ ही घटनास्थल से विदेशी शराब की बोतल, बियर के टीन, पानी की बोतल, शीशे के गिलास और तीन मोबाइल समेत रु १७८०० का मालसामान जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरूकर दी। दरअसल अमरेली एलसीबी की टीम कल रात पीपावाव पोर्ट के गेस्ट हाउस क्षेत में गश्त पर थी। उस वक्त उसे सूचना मिली कि गेस्ट हाउस में कुछ लोग शराब पी रहे हैं। सूचना के आधार पर एलसीबी ने गेस्ट हाउस के १ नंबर में रहने वाले निलेश जोशी के यहां रेड की। जहां कस्टम विभाग के तीन अधिकारी शराब पार्टी कर रहे थे। गिरफ्तार निलेश जोशी जामनगर के, किरपानंद गुरुवन तमिलनाडु और भगवान मीणा राजस्थान के मूल निवासी हैं और तीनों पीपावाव पोर्ट में बतौर कस्टम अधिकारी सेवारत हैं।

किसानों के नाम पर कांग्रेस समेत विपक्ष का देश में अराजकता फैलाने का प्रयास -सीआर पाटील

क्रांति समय दैनिक

सूरत गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने किसान आंदोलन को लेकर कांग्रेस समेत विपक्ष पर कड़े प्रहार किए। पाटील ने कहा कि किसानों के नाम पर कांग्रेस समेत विपक्ष देश में अंधाधुंधी और अराजकता फैलाने का कुप्रयास कर रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। विपक्ष अच्छी तरह जानता है जनाधार उसके हाथों से खिसक चुका है और जनता उसे तिरस्कार की भावना से देखती है। इसलिए येन केन प्रकारेण कृषि कानूनों के बारे में किसान और जनता को गुमराह कर चुनाव में इसका फायदा उठाने की कोशिशें की जा रही हैं। सूरत में पत्रकार परिषद में सीआर पाटील ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों के हामी हैं और उनके उज्वल भविष्य के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। उनके नेतृत्व में संसद पारित किए नए कृषि कानून पूरी तरह से किसानों के हित में हैं। लेकिन विपक्ष राजनीतिक लाभ के लिए उन्हें किसान विरोधी बताने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने किसानों को स्थानीय एपीएमसी में कृषि उपज बेचने के बंधन से मुक्त कर पूरे देश का बाजार उनके लिए खोल दिया है, जिससे अब कृषि उत्पादों के मूल्यों की स्पर्धात्मकता लाभ देश के किसानों को मिलेगा। बिचौलियों के कमीशन प्रथा के कारण कई मामलों में बिचौलिए किसानों से ज्यादा मुनाफा ले लेते थे, जो अब बंद होने जा रहा है। कोन्ट्रेक्ट फार्मिंग में जमीन के बारे में कोई उल्लेख नहीं है। कोन्ट्रेक्ट फार्मिंग में केवल किसानों के फसल का करार होना है। देश के अनेकों किसान आज नए कृषि कानूनों का समर्थन कर रहे हैं। ऐसे में विपक्ष जमीन के नाम पर, एपीएमसी बंद होने के नाम पर किसानों को भड़काने का प्रयास कर रहा है। गुजरात भाजपा प्रमुख ने राज्य और देश के किसानों से अपील की है कि वे देश को अस्थिर करने के इरादे के साथ ही अपने राजनीतिक फायदे के लिए आंदोलन को प्रभावित करने वालों से सतर्क रहें। किसान आंदोलन में 'खालिस्तान के समर्थन में', 'अपराधियों को जेल से मुक्त करने', 'जम्मू-कश्मीर में धारा ३७०' बहाल करने के पोस्टर दिखाए जा रहे हैं। जिससे स्पष्ट है कि देशविरोधी तत्व, वामपंथियों द्वारा किसान आंदोलन का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार के नए कृषि कानून में समाविष्ट प्रावधान किसानों के हित में हैं और उनकी आय बढ़ाने के लिए जो बातें कांग्रेस ने अपने शासनकाल में की थी, उन्हीं प्रावधानों को आज किसानों के लिए लाया गया है। ऐसे में कांग्रेस की पीड़ा की वजह क्या है? केन्द्र सरकार खुले मन से किसानों के साथ वार्ता कर रही है, ऐसे में कई किसान विरोधी लोग वार्ता को निष्फल बनाने का प्रयास कर रहे है। पाटील ने कहा कि गुजरात के किसानों ने भाजपा शासन में उन्हें मिले लाभों का प्रत्यक्ष अनुभव किया है। तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में हुए उल्लेखनीय कार्यों से किसानों को अनेक लाभ मिले हैं। वर्तमान में भी मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के नेतृत्व में किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं अमल में हैं, जिसका किसानों को फायदा मिल रहा है। बीमा कंपनियों की दादागिरी को देखते हुए राज्य सरकार मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना के जरिए रु ३७०० करोड़ अतिवृष्टि और अनावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के लिए किसानों को सहायता के तौर पर देने का फैसला किया है।

आर्थिक समस्या से परेशान व्यापारी ने ऑफीस में फांसी लगाकर जान दी

क्रांति समय दैनिक

सूरत शहर के कतारगा में रहनेवाले रेत-कपची के एक व्यापारी ने अपनी ऑफीस में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की है। कोरोना महामारी को लेकर पहले लॉकडाउन और उसके बाद कोविड गाइडलाइन के साथ जारी अनलॉक में व्यापार-उद्योग पहले के भांति नहीं चल रहे। रोजगार-धंधे ठप होने से लोगों को परिवार का जीवनयापन करना मुश्किल हो चला है।

कई लोग आर्थिक समस्या तंग आकर आत्महत्या का रास्ता अपना रहे है। सूरत के ऐसे ही एक व्यापारी ने पहले की तरह धंधा चलता नहीं होने की वजह से अपनी ऑफीस में आत्महत्या कर ली। सूरत के कतारगाम में रहनेवाले तुषारभाई रेत-कपची के व्यापारी थे। लॉकडाउन के दौरान सब कुछ बंद होने से धंधा ठप था।

लेकिन अनलॉक में भी पहले की भांति धंधा नहीं चलने से काफी दिनों से तनावग्रस्त तुषारभाई ने अपनी ऑफीस में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

खबर लगते ही तुषार के परिजन घटनास्थल पर पहुचं गए और सूचना को जानकारी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

मामी-भांजे के नाजायज संबंधों को करूण अंजाम, मामा ने उतारा मौत के घाट

क्रांति समय दैनिक

राजकोट जिले के केराली गांव के सीमा स्थित एक कुएं से युवक का शव बरामद हुआ था। पुलिस ने मामले की गुत्थी सुलझाते हुए मृतक युवक के मामा को गिरफ्तार कर लिया है। जिसने युवक को जमकर शराब पिलाने के बाद कुएं में धकेल दिया था। मृतक युवक के अपनी मामी के साथ नाजायज संबंध थे, जिसका पता चलने पर मामा ने भांजे की हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक भरुच जिले की वालिया तहसील निवासी २५ वर्षीय निलेश रणछोड वसावा अपनी पत्नी कैलाश के साथ खेत मजदूरी का काम करता था। राजकोट जिले की वीरपुर तहसील के केराली गांव में निलेश अपने परिवार के साथ पिछले चार साल से रह रहा था। गत २७ नवंबर को निलेश के अचानक लापता होने पर उसकी पत्नी कैलाश ने वीरपुर पुलिस थाने में पति के गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। इस दौरान केराली गांव की सीमा स्थित एक कुएं से निलेश का शव बरामद हुआ। पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। निलेश के मोबाइल कॉल डिटेइल की जांच करने पर एक नंबर ऐसा मिला, जिस पर से कई कॉल किए गए थे। जांच में पता चला यह नंबर किसी महिला का है और वह महिला और कोई नहीं निलेश के मामा विनु दीपसिंह वसावा की पत्नी का है। मामले की गहराई से जांच में निलेश के अपनी मामी के साथ नाजायज संबंध थे। भांजे के अपनी पत्नी के साथ नाजायज संबंधों के बारे में मामा को पता चला तो उसने निलेश की हत्या करने की योजना बनाई।

योजना के मुताबिक विनु वसावा ने निलेश को केराली गांव की सीमा पर शराब पीने के लिए बुलाया। जहां मामा ने भांजे को इतनी शराब पिलाई कि वह सुध बुध खो बैठा।

जिसके बाद विनु वसावा ने निलेश को कुएं में धकेल दिया।

पुलिस ने निलेश की हत्या के आरोप में उसके मामा विनु वसावा को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

हार्दिक पटेल की बगैर मंजूरी रैली निकालने का केस रद्द करने की हाईकोर्ट से मांग

क्रांति समय दैनिक

गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने हाईकोर्ट ने एक याचिका दाखिल कर वर्ष २०१७ में बगैर मंजूरी बाइक रैली निकालने का मामला रद्द करने की मांग की है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और पुलिस को नोटिस जारी कर अगली सुनवाई १२ जनवरी को मुकर्रर की है।

हाईकोर्ट में दाखिल अपनी याचिका में हार्दिक पटेल ने पेशकश की है कि ११ दिसंबर २०१७ को अहमदाबाद के बोपल में बाइक रैली निकालने की तहसीलदार से मंजूरी मांगी थी। लेकिन तहसीलदार ने मंजूरी देने से इंकार कर दिया था।

बगैर मंजूरी रैली निकालने पर बोपल पुलिस ने १८८ समेत अन्य धाराओं के तहत उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

हार्दिक पटेल का तर्क है कि पुलिस ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर रिपोर्ट दर्ज की थी।

क्योंकि इस मामले में जिस अधिकारी के आदेश का उल्लंघन हुआ है, वही न्यायधीश के समक्ष शिकायत कर सकता है और उसके आधार पर कोर्ट आदेश करती है। इस मामले में भी तहसीलदार को न्यायधीश के समक्ष शिकायत करनी चाहिए थी।

पीएम मोदी के अगले महीने फिर एक बार गुजरात आने की संभावना

क्रांति समय दैनिक

मंगलवार को गुजरात को तीन परियोजनाओं का शिलान्यास कर दिल्ली लौट चुके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनवरी महीने में फिर एक बार गुजरात आने की संभावना है । पाटीदार समाज की संस्था ''सरदार धाम'' के नए भवन का निर्माण किया गया है और इसके उदघाटन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से जनवरी के दूसरे सप्ताह में समय मांगा गया है। इसके अलावा राजकोट शहर को एम्स तो मिल गया है, लेकिन अभी तक इसका शिलान्यास नहीं किया गया। फरवरी महीने में गुजरात में ६ नगर निगम, ८१ नगर पालिका, ३१ जिला पंचायत और २३१ तहसील पंचायतों के चुनाव होना तय है। पीएम मोदी सरदार धाम के उदघाटन के लिए आते हैं तो राजकोट नगर निगम के चुनाव से पहले पीएम मोदी राजकोट में एम्स का शिलान्यास कर सकते हैं। पीएम मोदी का दौरा कच्छ-सौराष्ट्र के ८ और उत्तरी गुजरात के ८ जिलों पर असर कर सकता है।

जिसकी वजह से वर्ष २०१५ के स्थानीय चुनाव में कांग्रेस जहां मजबूत हुई थी, वहां वह कमजोर होगी और भाजपा को इसका सीधा फायदा होगा। गौरतलब है कि वर्ष २०१५ में पाटीदार आरक्षण आंदोलन के चलते स्थानीय निकायों के चुनाव में भाजपा बड़ा नुकसान हुआ था। जिसकी वजह से राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

२०१५ के स्थानीय निकाय चुनाव के बाद २०१७ के विधानसभा चुनाव में भाजपा ९९ सीटों पर सिमट गई थी। हांलाकि २०१९ के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने लगातार दूसरी बार गुजरात की सभी २६ सीटों जीत दर्ज की। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला था।

राज्य में ११६० नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा २.३१ लाख के पार

क्रांति समय दैनिक

राज्य में आज फिर एक बार कोरोना के केसों ने ५० अंक की छलांग लगाई। मंगलवार को राज्य में कोरोना के १११० नए केस सामने आए थे, जो आज बढ़कर ११६० पर पहुंच गया। जबकि १३८४ लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया और १० लोगों की कोरोना से मौत हो गई। राज्य में कोरोना केसों का कुल आंकड़ा २.३१ लाख के पार हो गया है। पिछले २४ घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में २३०, सूरत कॉर्पोरेशन में १४३, वडोदरा कॉर्पोरेशन में १०७, राजकोट कॉर्पोरेशन में १०४, मेहसाणा में ४४, वडोदरा में ४२, बनासकांठा में ३३, गांधीनगर में ३२, खेडा में ३२, पंचमहल में ३१, राजकोट में २७, सूरत में २६, जामनगर कॉर्पोरेशन में २५, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में २१, आणंद और भावनगर कॉर्पोरेशन में १०-१० समेत राज्यभर में कुल ११६० नए कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज किए गए। जबकि १३८४ मरीज स्वस्थ होकर अपने घर लौट गए। इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में ५, सूरत कॉर्पोरेशन में २, अमरेली, राजकोट कॉर्पोरेशन और वडोदरा में १-१ समेत राज्य में कुल १० मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। राज्य में अब तक ८८३५१३० लोगों का टेस्ट किया गया, जिसमें २३१०७३ कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए। इनमें से २१४२२३ मरीज कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। जबकि ४२०३ मरीजों की अब तक कोरोना से मौत हो चुकी है। शेष १२६४७ एक्टिव केसों में १२५८० मरीजों की तबियत स्थिर है और ६७ मरीज वेन्टीलेटर पर है। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में ५३२९६९ लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। जिसमें ५३२८२७ को होम कोरन्टाइन और १४२ लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन किया गया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

तेलंगाना में कोरोना वैक्सीन उपलब्ध होते ही पहले चरण में 80 लाख लोगों के वैक्सीनेशन की तैयारी

हैदराबाद। तेलंगाना कोविड-19 का टीका राज्य के लिए उपलब्ध हो जाने पर शुरूआत में अग्रिम पंक्ति के कोरोना योद्धाओं सहित करीब 80 लाख लोगों का टीकाकरण करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार कर रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीका लगाने वाले करीब 10,000 कर्मियों का प्रशिक्षण जारी है टीके के भंडारण के लिए विभिन्न प्रमुख स्थानों पर व्यवस्था की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा, ''यदि एक टीका कर्मी प्रतिदिन 100 लोगों को टीका लगाता है तो 10,000 टीका कर्मी आठ या दस दिनों में 80 लाख लोगों को टीका लगा सकते हैं। '' अधिकारी ने कहा कि हालांकि अभी देश में कोविड-19 के लिए कोई भी मंजूरी प्राप्त टीका नहीं है। लेकिन उसे लगाने के लिए अभी से तैयारियां की जा रही हैं और टीकाकरण कार्य टीके के उपलब्ध हो जाने पर शुरू किया जाएगा।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण की दर कितनी दर्ज की गई ? सत्येंद्र जैन ने दिया यह जवाब

नयी दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बुधवार को कहा कि दिल्ली कोविड-19 की परिस्थितियों से तत्परता से निपट रही है और यहां ना केवल संक्रमण की दर दो फीसदी से नीचे आ गई है बल्कि यह मई के बाद से सबसे निचले स्तर पर है। जैन ने संवाददाताओं से कहा कि महामारी के हालात में कुछ सुधार हुआ है लेकिन लोगों को अभी भी पूरी तरह सतर्क रहने और कोविड-19 संबंधी सभी सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को संक्रमण की दर 1.9 फीसदी दर्ज की गई। मुझे लगता है कि यह अब तक की तारीख का सबसे निचला स्तर है। हालांकि, एकदम सटीक जानकारी के लिए मुझे डाटा को देखने की जरूरत होगी। फिर भी मुझे पूरा भरोसा है कि यह मई के बाद सबसे निचले स्तर पर है। यह दिल्ली में कोविड-19 परिस्थितियों में सुधार को दर्शाता है। दिल्ली में मंगलवार को संक्रमण के 1,617 नए मामले सामने आए थे। मंत्री ने कहा कि 12 दिसंबर से संक्रमण की दर तीन फीसदी के नीचे बरकरार है और तीन दिसंबर के बाद से यह दर पांच फीसदी के नीचे रही इसलिए वाकई में यह गिरते स्तर को दर्शाता है।

तीन हफ्तों से किसानों के जारी प्रदर्शनों के बीच बोले तोमर, जल्द ही निकलेगा इसका समाधान

ग्वालियर। नए कृषि कानूनों के विरोध में पिछले करीब तीन हफ्तों से दिल्ली के बॉर्डर पर जारी प्रदर्शनों के बीच केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को कहा कि इस मामले में पंजाब के किसान संगठनों सहित देश के कई किसान संगठनों से हमारी बातचीत चल रही है और जल्दी ही इसका समाधान निकल आएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार के लक्ष्य से बनाये गए कृषि कानूनों के प्रति जन जागरुकता लाने के लिए भाजपा द्वारा ग्वालियर में आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल होने से पहले मीडिया से बात करते हुए तोमर ने कहा, ''पंजाब (के किसान संगठनों) सहित कई किसान संगठनों से बात चल रही है और जल्दी ही इसका समाधान निकल आएगा।'' उन्होंने कहा कि कृषि कानूनों के मुद्दे पर जो विपक्षी दल किसानों को गुमराह कर रहे हैं, वे अपने इरादे में सफल नहीं होंगे। तोमर ने कहा कि कृषि सुधार का जो काम शुरू हुआ है उससे किसान का जीवन बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि देश भर के किसान नये कानूनों का समर्थन कर रहे हैं। कई संगठन उनसे मिले भी हैं। पंजाब के किसान कुछ नाराज हैं, लेकिन जल्दी ही समाधान निकल आएगा। तोमर ने कहा कि किसान जनजागरण अभियान पूरे देश में किया जा रहा है और आज ग्वालियर में यह कार्यक्रम है।

असदुद्दीन ओवैसी ने ओम प्रकाश राजभर से की मुलाकात, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ। बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन से उत्साहित एआईएमआईएम के अध्यक्ष व लोकसभा सदस्य असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि बिहार की सफलता के बाद पार्टी को हौंसला मिला है और हम उस कामयाबी के सिलसिले को जारी रखेंगे। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि अभी तक उनका सामना 'मीर जाफर और मीर सादिक जैसे मुसलमानों से हुआ है, उनका सामना सच्चे मुसलमान से नहीं हुआ है। उनसे पूछा गया था कि ममता बनर्जी आरोप लगाती हैं कि वह पैसे लेकर मुस्लिम वोटों का बंटवारा करते है। इस पर ओवैसी ने जवाब दिया जब अटल बिहारी वाजपेयी जी प्रधानमंत्री थे तो ममता एनडीए का हिस्सा रही। गुजरात में इतना बड़ा फसाद हुआ। अब ममता बनर्जी यह कह रही हैं तो अब तक उनका सामना मीर जाफर और मीर सादिक जैसे लोगो से पड़ा है। उनका एक सच्चे मुसलमान से सामना नहीं हुआ है, वह हो जायेगा। अगर वह कह रही है कि दौलत मिली है तो कोई इतना बड़ा आदमी पैदा नही हुआ जो असदुदीन ओवैसी को खरीद सकें। राजभर से मुलाकात के बाद बुधवार को आल इंडिया मजिलस-ए इत्तेहादुल मुस्लीमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख ओवैसी ने पत्रकारों से कहा बिहार में जो हमें कामयाबी मिली उसमें ओम प्रकाश राजभर जी का भी सहयोग है। हम ग्रैंड डेमोक्रेटिक सेक्युलर एलायंस का हिस्सा थे।

लद्दाख संकट के बाद से पूर्वी कमान वाले इलाके में न कोई घुसपैठ हुई और न ही बड़ी झड़प : चौहान

कोलकाता। (एजेंसी)।

सेना की पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि भारतीय बलों और चीन की सेना पीएलए के बीच लद्दाख में गतिरोध के बाद से पूर्वी कमान के अधीन आने वाले इलाके में घुसपैठ या किसी बड़ी झड़प की कोई घटना नहीं हुई है। चौहान ने कहा कि गलवान घाटी की घटना के बाद से भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सौहार्द्र और आपसी भरोसा समाप्त हो गया है और चीजों को स्थिर होने में समय लगेगा। उन्होंने कहा, ''लद्दाख में गतिरोध के बाद से पूर्वी कमान की जिम्मेदारी के अधीन आने वाले इलाके में घुसपैठ या किसी बड़ी झड़प की कोई घटना नहीं हुई है।''

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना और पीएलए ने लद्दाख संकट के दौरान एहतियातन कुछ बलों की तैनाती की थी, जिसमें सर्दियां शुरू होने के बाद पूर्वी सेक्टर में लगातार कमी आ रही है। चौहान ने विजय दिवस पर यहां 'फोर्ट विलियम' में संवाददाताओं से कहा, ''बहरहाल, भारतीय सेना सर्दियों में किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार है।'' उन्होंने कहा कि पीएलए ने सड़क से जुड़ी आधारभूत विकास की गतिविधियां तेज की हैं और सिक्कम सीमा और अरुणाचल प्रदेश के कामेंग में सुरक्षा बढ़ायी है। लेफ्टिनेंट जनरल चौहान ने कहा, ''हम भी इसके हिसाब से और उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए तैयारी कर रहे हैं...उन्होंने सीमाई इलाके के पास गांव बसाने का प्रयास किया। वहां पर वे घुमंतू तिब्बती आबादी को बसाने का प्रयास कर रहे हैं।''

डोकलाम के संबंध में उन्होंने कहा कि यह भूटान और चीन के बीच का मुद्दा है और भारत की भागीदारी इसमें तब होती है जब 'हमें तीनों देशों के बीच के स्थान पर फैसला करना होता है।'' उन्होंने कहा, ''भूटान मित्र देश है जिसके साथ भारत सरकार के करीबी संबंध हैं।' भूटान सरकार और भूटान की सेना ने इस क्षेत्र में अपने हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए हैं और उन्होंने जो भी कदम उठाए हैं, हम उससे आश्वस्त हैं।' पीएलए द्वारा सितंबर में अरुणाचल प्रदेश के पांच युवाओं को कथित तौर पर अगवा किए जाने और फिर छोड़ने की घटना पर उन्होंने कहा कि पश्चिमी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारतीय सेना, पाकिस्तान के सामने जिस स्थिति में है, उसके मुकाबले राज्य में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनाती उससे अलग है। उन्होंने कहा कि कुछ स्थान हैं जहां तैनाती नहीं है लेकिन वहां पर नियमित तौर पर गश्त की जाती है।

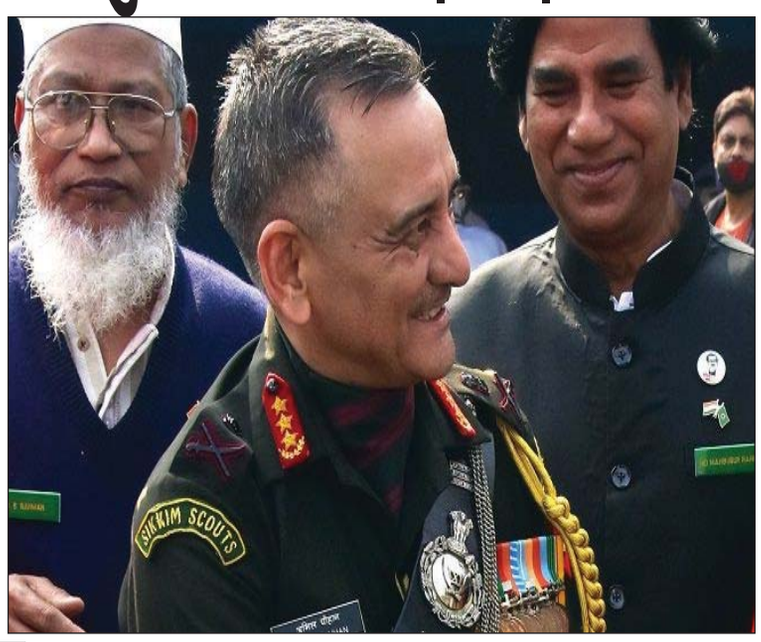

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले, न्याय व्यवस्था में वादी का हित सर्वोपरि है

प्रयागराज। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को यहां कहा कि न्यायपालिका की भूमिका की बात करें तो वादी का हित हमारे लिए सर्वोपरि है क्योंकि न्याय मांगने वाला व्यक्ति, समाज के अंतिम पायदान का व्यक्ति है। यहां केपी कॉलेज ग्राउंड में आयोजित प्रदेश अधिवक्ता समागम-2020 में प्रदेश भर से आए वकीलों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ÷जो लोग धन के अभाव में न्याय पाने से वंचित रह जाते हैं, ऐसे लोगों के लिए विद्वान अधिवक्ता कार्ययोजना बनाएं और सरकार के समक्ष प्रस्तुत करें तो हमें खुशी होगी। हम उसे गंभीरता से लागू करेंगे जिससे प्रत्येक व्यक्ति को न्याय मिल सके।÷

उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के लिए सरकारी कोष और सीएसआर कोष से आवासीय भवनों के लिए 150 करोड़ रुपये और गैर आवासीय भवनों के लिए 400 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। प्रदेश में अधिवक्ता सामाजिक सुरक्षा निधि के तहत तीन वर्षों में 1474 अधिवक्ताओं को कल्याण निधि से भुगतान किया गया। कोरोना से लड़ाई में उत्तर प्रदेश के बारे में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश ने कोविड प्रबंधन में सबसे अच्छा परिणाम पूरे देश में दिया है। आज से दो

माह पहले प्रदेश में कोरोना के 68,000 सक्रिय मामले थे जिनकी संख्या आज घटकर 18,000 से कम रह गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे अधिक जांच करने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। मौत के मामले में यदि दिल्ली से तुलना करें तो 24 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश में कोविड-19 से कुल मौत 8,000 है। वहीं दिल्ली की आबादी पौने दो करोड़ है, जबकि कोविड से वहां 10,000 मौतें हुई हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 का टीका उलब्ध होने पर प्रत्येक व्यक्ति तक उसे पहुंचाने के लिए राज्य सरकार व्यवस्थित तैयारी कर चुकी है। यह केवल एक आपदा के खिलाफ लड़ाई नहीं है, बल्कि इसने लोगों को बहुत कुछ सिखाया है। इस समागम में अधिवक्ताओं के लिए आवासीय सुविधाओं की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने विकास प्राधिकरणों को कहा है कि जिन जगहों पर भू माफियाओं का कब्जा है, उन्हें खाली कराके वहां अधिवक्ताओं, पत्रकारों, शिक्षकों के लिए नो प्रॉफिट, नो लॉस पर आवासीय सुविधाएं विकसित करें।

कार्यक्रम में प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा, ÷कोविड-19 प्रबंधन के साथ सुशासन का सबसे अच्छा उदाहरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कोई ले सकता है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में इस कोविड-19 के दौरान हमें 53,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।÷ उन्होंने कहा कि हाल ही में सैमसंग कंपनी चीन स्थित अपनी तीन फैक्ट्रियां बंद कर नोएडा में उन्हें स्थापित करने जा रही है जिससे 5,000 करोड़ रुपये का निवेश आएगा। वहीं मेरठ से प्रयागराज तक बनने वाले गंगा एक्सप्रेसवे का जल्द ही शिलान्यास होने वाला है। इसके अलावा, मेरठ में हवाईअड्डा तैयार होने पर वहां से प्रयागराज के लिए उड़ान सेवा शुरू करने की तैयारी है। कार्यक्रम के दौरान राज्य विधिज्ञ परिषद के अध्यक्ष जानकी शरण पांडेय और इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र नाथ सिंह ने मुख्यमंत्री को अधिवक्ताओं की विभिन्न मांगों का एक ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में प्रदेश के कानून मंत्री बृजेश पाठक, नागरिक उड्डयन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ अधिवक्ता केशरी नाथ त्रिपाठी और बड़ी संख्या में अधिवक्ता शामिल हुए।

राजस्थान में 337 नए पदों के सृजन को मंजूरी, 46 एटीपी की होगी सीधी भर्ती

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान सरकार ने संस्कृत शिक्षा, नगरीय विकास विभाग तथा विभिन्न अदालतों के लिए 337 नए पदों के सृजन को मंजूरी दी है। साथ ही सुनियोजित नगरीय विकास के लिए सहायक नगर नियोजक (एटीपी) के 46 पदों पर भर्ती की भी स्वीकृति दी है। एक सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संस्कृत शिक्षा, आदिवासी क्षेत्र विकास (टीएडी) व नगरीय विकास विभाग तथा विभिन्न अदालतों के लिए 337 नए पदों के सृजन को मंजूरी दी है। साथ ही सुनियोजित नगरीय विकास के लिए सहायक नगर नियोजक के 46 पदों पर भर्ती की भी स्वीकृति दी है।

इसके अनुसार मुख्यमंत्री गहलोत की पहल पर राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भर रही है और जरुरत के हिसाब से नये पदों को मंजूरी दी जा रही है। इस मंजूरी के तहत संस्कृत

शिक्षा विभाग में 308 नए शैक्षिक पदों का सृजन होगा। टीएडी में कॉलेज छात्रावास अधीक्षक के चार नए पद मंजूर किए गए हैं। नवसृजित आठ अदालतों के लिए 25 पदों को मंजूरी दी गयी है।

इसी तरह नगर नियोजन विभाग, विभिन्न प्राधिकरणों, न्यासों व अन्य स्वायत्तषासी संस्थाओं में सहायक नगर नियोजक तथा सहायक नगर नियोजक (पीआर) के 46 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती करने की सहमति दी गयी है। एक अन्य फैसले में मुख्यमंत्री गहलोत ने ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में निजी जल स्त्रोतों के नमूनों की रासायनिक व जीवाणु जांच की दर 1000 रुपये से घटाकर 600 रुपये किये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

मुंबई मेट्रो कार शेड की जमीन को लेकर कोर्ट का आदेश उद्धव सरकार के लिए करारा झटका : भाजपा

मुंबई। (एजेंसी)।

मेट्रो कार शेड के निर्माण के लिए मुंबई के कांजुरमार्ग इलाके में भूमि के आवंटन पर रोक लगाने के बंबई उच्च न्यायालय के फैसले के बाद भाजपा ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार को करारा झटका लगा है। भाजपा नेता अतुल भातखलकर ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा को ''नीचा दिखाने'' के इरादे से शिवसेना नेतृत्व वाली सरकार ने मेट्रो कार शेड परियोजना आरे कॉलोनी से कांजुरमार्ग स्थानांतरित करने का फैसला किया था। भाजपा नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने परियोजना को कांजुरमार्ग ले जाने पर जोर देने के लिए मुख्यमंत्री के बेटे और राज्य के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे का इस्तीफा मांगा।

उच्च न्यायालय ने मेट्रो कार शेड के निर्माण के लिए मुंबई के कांजुरमार्ग इलाके में 102 एकड़ भूमि आवंटित करने के मुंबई उपनगर के जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश पर

रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की पीठ ने उक्त जमीन पर किसी भी तरह के निर्माण पर भी रोक लगा दी है। मेट्रो कार शेड के निर्माण के लिए राज्य द्वारा चिन्हित जमीन के मालिकाना हक को लेकर केंद्र और शिवसेना नेतृत्व वाली एमवीए गठबंधन सरकार के बीच तकरार चल रही है। केंद्र सरकार ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर कारशेड के लिए जमीन आवंटित करने के जिलाधिकारी के एक अक्टूबर के आदेश को चुनौती दी थी और कहा कि यह जमीन उसके (केंद्र के) नमक विभाग की है।

भातखलकर ने कहा कि भाजपा सरकार ने काफी सोच विचार करने के बाद आरे कॉलोनी में मेट्रो कार शेड के निर्माण का फैसला किया था। बहरहाल, शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में कहा गया कि कुछ भी हो ''बुलेट ट्रेन को पीछे छोड़कर कांजुरमार्ग का मेट्रोशेड'' आगे बढ़ेगा। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है। भाजपा का नाम लिए बिना शिवसेना ने कहा है कि विपक्षी दल ने मुंबई के विकास में अड़चन डालने का एक भी मौका नहीं छोड़ा है। संपादकीय में कहा गया, ''अगर कांजुरमार्ग में कार शेड परियोजना बन जाएगी तो केंद्र सरकार पर आसमान नहीं गिर जाएगा।'' इसमें कहा गया है कि राज्य सरकार ने आरे जंगल से परियोजना को स्थानांतरित कर शहर की ''रक्षा'' की और इसके लिए उसकी तारीफ होनी चाहिए।

बच्चों के भविष्य को संवारने में लगे समर्पण कर चुके नक्सली, कर रहे हैं स्कूल निर्माण का कार्य

दंतेवाड़ा। (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले दंतेवाड़ा में स्कूल का निर्माण हुआ है। यह निर्माण आत्मसमर्पण कर चुके नक्सली मिलकर बना रहे हैं। पहले नक्सलियों ने खुद इस स्कूल को दो बार ध्वस्त कर दिया था लेकिन आत्मसमर्पण के बाद अब उसके निर्माण कार्य में जुटे हुए हैं।

नक्सलियों ने दो बार किया था विस्फोट : स्कूल के निर्माण कार्य में जुटे नक्सलियों ने साल 2008 और 2015 में विस्फोट किया था लेकिन अब हृदय परिवर्तन होने के बाद स्कूल को बच्चों के पढ़ने लायक बनाने में जुटे हुए हैं। इस स्कूल में हरा, पीला और गुलाबी रंग का इस्तेमाल किया गया है। आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वापसी के बाद स्कूल निर्माण हमारा पहला लक्ष्य था और फिर हम सड़क निर्माण कार्य को अपना अगला लक्ष्य निर्धारित करेंगे। नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा से 10 किमी की दूरी पर मासापार गांव है, जहां के जंगलों में प्राथमिक विद्यालय स्थित है और यह वही प्राथमिक विद्यालय है जिसके निर्माण की जिम्मेदारी आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों ने उठाई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक समाचार पत्र से बात करते हुए एक नक्सली ने बताया कि जब हमने हथियारों को छोड़ा तब हमें पता चला कि कितना ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। हमें अब जिला प्रशासन की तरह से भी सहयोग मिल रहा है।

बता दें कि एक जुलाई को 18 नक्सलियों ने 'लोन वर्राटू' अभियान के तहत आत्मसमर्पण किया था। जिसमें कुछ महिलाएं भी शामिल थीं और ये नक्सली सड़क, स्कूल और पुल के साथ-साथ रेलवे ट्रैक में विस्फोट करने में शामिल थे। हालांकि, अब यही लोग इनके निर्माण कार्य में जुटे हुए हैं। यह जानकारी खुद दंतेवाड़ा जिले के एसपी अभिषेक पल्लव ने दी है। बता दें कि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके इसके लिए दंतेवाड़ा के कलेक्टर दीपक सोनी ने 3 दिनों के भीतर ही इस परियोजना को मंजूरी दे दी थी।

पाकिस्तान से लौटने के पांच साल बाद भी अपने परिवार की तलाश में गीता

नांदेड़ (महाराष्ट्र)। (एजेंसी)।

इंदौर की मूक-बधिर गीता को पाकिस्तान से लौटे पांच साल हो गए हैं, लेकिन उसके माता-पिता का अब भी कोई पता नहीं चल पा रहा है और अब उनकी तलाश में वह महाराष्ट्र के नांदेड़ आ पहुंची है। गीता करीब 20 साल पहले पाकिस्तानी सैनिकों को लाहौर स्टेशन पर ट्रेन 'समझौता एक्सप्रेस' में मिली थी, उस समय गीता की उम्र सात-आठ वर्ष रही होगी। इसके बाद 'ईदी फाउंडेशन' से जुड़े एक शख्स ने उसे वहां गोद ले लिया था। तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के तमाम प्रयासों के बाद 26 अक्टूबर 2015 को गीता भारत लौटी थी। स्वराज गीता को ''हिंदुस्तान की बेटी'' बुलाती थीं।

स्वराज ने गीता से मुलाकात करके उसे आवश्वासन दिया था कि सरकार उसके माता-पिता को ढूंढने के लिए प्रयास कर रही है। गीता, (जिसकी उम्र 30 साल के आसपास मानी जा रही है) अभी मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में दिव्यांगों के एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'आनंद सर्विस सोसायटी' में रहे रही है। कई दम्पत्ति सामने आए और गीता के अभिभावक होने का दावा किया लेकिन गीता ने उनमें से किसी को नहीं पहचाना और उनमें से कोई अपने दावों के पक्ष में कोई ठोस सबूत भी नहीं पेश कर पाया। इंदौर के सरकारी अधिकारी और एनजीओ अब भी गीता के माता-पिता की तलाश में जुटे हैं। गीता ने भी हार नहीं मानी है और मंगलवार को वह एनजीओ के सदस्यों के साथ अपने परिवार की तलाश में नांदेड़ पहुंची। एनजीओ के सांकेतिक के विशेषज्ञ ज्ञानेंद्र पुरोहित की मदद से गीता ने पत्रकारों से कहा कि वह अपने माता-पिता को ढूंढने की कोशिश कर रही है। उसने बताया कि उसका घर एक रेलवे स्टेशन के पास था, जिसके पास एक अस्पताल, मंदिर और नदी भी थी।

पुरोहित ने कहा कि वह इस संदर्भ में ही नांदेड़ आए हैं। उन्होंने कहा , '' ट्रेन 'सचखंड एक्सप्रेस' नांदेड़ से अमृतसर जाती है और वहां से 'समझौता एक्सप्रेस' जिसमें वह मिली थी, वह अमृतसर से ही पाकिस्तान जाती है।'' पुरोहित ने कहा, '' नांदेड़ से करीब 100 किलोमीटर दूर तेलंगाना में एक बासर नाम का कस्बा है, जो कि गीता द्वारा बताई जगह की तरह ही प्रतीत होता है, इसलिए हम यहां आए हैं।'' नांदेड़ के पुलिस निरीक्षक द्वारकादास चिखलीकर ने बताया कि उनका दल गीता, पुरोहित और उनके साथ आए अन्य लोगों की मदद कर रहा है। उन्होंने कहा, '' हमारा दल (गीता के माता-पिता की) तलाश के दौरान उनके साथ रहेगा और गीता जब तक यहां हैं वह एनजीओ के सदस्यों के साथ काम करता रहेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)